सुगंध – 2

दसवीं कक्षा द्‌वितीय भाषा - हिन्दी

---

1. बरसते बादल (कविता) लेखक : श्री सुमित्रानंदन पंत

शब्दार्थ : **मेघ** = మేఘము; **सावन** = శ్రావణమాసం; **छन** = క్షణము, ఝుంకారం; **उर** = హృదయం; **घन** = మేఘము; **तम** = చీకటి; **दादुर** = కప్ప; **झिल्ली** = కీచురాయి; **सोन** = జలపక్షి; **गर्जन** = మేఘ గర్జన; **रोम** = వెంట్రుకలు; **रज** = మట్టి; **तृण** = గడ్డిపోచ; **थर** = స్థానము; **वारि** = నీరు; **धार** = నీటిధార; **तरु** = చెట్టు; **आर्द** = తడిసిన; **क्रंदन** = ఏడుపు; **पुलकावली** = మిక్కిలి సంతోషించిన.

प्रश्न :

1. मेघ, बिजली और बूँदों का वर्णन यहाँ कैसे किया गया है ? **ज :** मेघ, बिजली और बूँदों का वर्णन यहाँ उनकी आवाज़ से किया गया है, जैसे– मेघ झम-झम-झम-झम करते बरसते हैं, बिजली चम-चम चमकते हैं और वर्षा की बूँदें छम-छम-छम गिरती हैं आदि |

2. प्रकृति की कौन-कौनसी चीज़ें मन को छू लेती है ? **ज :** खेतों की हरियाली, ऊँचे पहाड़ों का समुदाय, मेघों का गर्जन, बिजली की चमक, पानी बरसने की आवाज़, पक्षी और जंतुओं का स्वर आदि प्रकृति की चीज़ें मन को छू लेती है |

3. तृण-तृण की प्रसन्नता का क्या भाव है ? **ज :** पानी बरसने से मिट्टी के कण-कण से घास के नए-नए अँकुर फूट जाते हैं | उन्हें देख ऐसा लगता है जैसे वे बूँदों के बरसने से बहुत प्रसन्न है |

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए |

1. धरती की शोभा का प्रमुख कारण वर्षा है | इस पर अपने विचार बताइए | **ज :** वर्षा से पानी मिलता है | पानी न हो तो पेड़-पौधे भी न होंगे | पृथ्वी पर जीवन भी न होगा | पेड़ और पानी के बिना धरती की शोभा भी न होगी |

2. घने बादलों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए | **ज :** घने बादल आने से चारों ओर अँधेरा छा जाता हैं | मौसम में शीतलता आ जाती है | प्रकृति का कण-कण प्रसन्न दिखने लगता है |

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर तीन - चार पंक्तियों में लिखिए |

1. वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है | कैसे ? **ज :** वर्षा से पानी मिलता है | बिना पानी के पृथ्वी पर जीवन असंभव है | चाहे कोई भी प्राणी हो या पेड़-पौधे हो, बिना पानी के धरती पर कुछ भी नहीं रह पाएगा | अतः वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है |

2. वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य पर अपने विचार लिखिए | **ज :** वर्षा ऋतु में प्रकृति की सुंदरता बढ़ जाती है | वर्षा की बूँदें सबका मन मोहती हैं | इससे वातावरण में शीतलता आती है | प्रकृति का कण-कण खिल उठता है | चारों ओर हरियाली छा जाती है |

3.' फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन ' ऐसा क्यों कहा गया होगा ? स्पष्ट कीजिए |

ज : सावन के आने से प्रकृति का कण-कण प्रसन्न हो जाता है | प्रकृति के साथ प्रत्येक जीवन गीत गाने लगते हैं | पशु-पक्षी, पेड़-पौधे झूम उठते हैं | वर्षा का पानी सबके जीवन का आधार है | यह फसलों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है | इसलिए कवि ऐसा कहा गया होगा |

पाठ का सारांश : **1.' बरसते बादल ' कवित का सारांश अपने शब्दों में कीजिए |**

' बरसते बादल' कविता के कवि सुमित्रानंदन पंत जी हैं | वे प्रकृति सौंदर्य के बेजोड़ कवि माने जाते हैं | वीणा, ग्रंथि, पल्लव, युगांत, ग्राम्या, चिदंबरा आदि उनके प्रसिद्ध काव्य संकलन हैं | ' चिदंबरा' काव्य की रचना के लिए उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ | प्रस्तुत कविता में वर्षा ऋतु का सुंदर वर्णन है |

पंतजी कहते हैं कि वर्षा ऋतु बहुत सुंदर होती है | उसमें भी सावन का महीना और अधिक सुंदर होता है | मेघ बरसते हैं | पेड़ों से छनकर बूँदें धरती पर गिरती हैं | बिजली बादल के हृदय पर चमचमाती है | दिन में भी बादल के कारण अँधेरा छा जाता है | मन में अनेक प्रकार के सपने जगने लगते हैं |

कवि का कहना है कि वर्षा होने पर मेंढक, झिल्ली, मोर और चातक से तरह-तरह की आवाज़ें निकलती हैं | घुमड़-घुमड़ कर मेघ गरजते हैं | टपकते बूँदों से रोम-रोम सिहर उठता है | आकाश से जल की धाराएँ धरती पर गिरती हैं | ऐसा लगता है कि मिट्टी का कण-कण अतिप्रसन्न है |

कवि का मन बारिश की धाराओं के साथ झूला झूलने लगता है | वह लोगों को सावन के गीत गान के लिए आमंत्रित करता है | वह सबसे कहता है कि आओ हम सब इंद्रधनुष के झूले में झूलने का आनंद लें | सावन मनभावना को बार-बार आने का निमंत्रण दें |

भाषा की बात (अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए |

1. तरु, गगन, घन **(एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए |)**
   1. **तरु :** पृथ्वी पर तरुओं की संख्या कम होती जा रही है | **पर्यायवाची शब्द :** वृक्ष, पेड़, पादप |
   2. **गगन :** धरती के ऊपर नीला गगन पसरा हुआ है | **पर्यायवाची शब्द :** आसमान, आकाश, नभ |
   3. **घन :** तेज़ हवाओं के साथ काले-काले घन घिर आये | **पर्यायवाची शब्द :** बादल, घटा, जलद |
2. सावन, सपना, सूरज **(एक-एक शब्द का तत्सम रूप लिखिए |)**
   1.' सावन' का तत्सम रूप : **श्रावण** ; ' सपना' का तत्सम रूप : **स्वप्न** ; ' सूरज' का तत्सम रूप : **सूर्य** |
3. गण, वारि, चंद्र **(एक-एक शब्द का तद्भव रूप लिखिए |)**
   1.' **गण**' का तद्भव रूप : **समूह** ; ' **वारि**' का तद्भव रूप : **पानी** ; ' **चंद्र**' का तद्भव रूप : **चाँद** |
4. चम-चम, तृण-तृण, फिर-फिर **(पुनरुक्ति शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए |)**
   1. **चम-चम :** धूप में पानी चम-चम चमकता है |
   2. **तृण-तृण :** बरसात की बूँदें तृण-तृण में नवजीवन का संचार करती है |

रोहित कुमार जिल्ला परिषद हाई स्कूल रामपल्ली, कीसरा (मं०), मेड़चल जिल्ला.

3. **फिर-फिर :** सबके जीवन में खुशियाँ फिर-फिर आये।

(आ) इन्हें समझिए और सूचना के अनुसार कीजिए।

1. धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर। (अंतर स्पष्ट कीजिए।)
ज : धाराओं : पानी का लगातार बहता प्रवाह। **धाराएँ :** निरंतर वर्षा, घनघोरा बारिश।
2. इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन। (अंतर स्पष्ट कीजिए।) **ज : झूले** – संज्ञा, **झूलें** – क्रिया।
3. बादल बरसते हैं। (रेखांकित शब्द का पद परिचय दीजिए।) **ज : बादल** – संज्ञा शब्द, बहुवचन।
4. मन को भाने वाला (एक शब्द में लिखिए।) **ज :** मनभावना।
5. पेड़-पौधे, पशु-पक्षी (समास पहचानिए।) **ज : पेड़-पौधे** – द्वन्द्व समास। **पशु-पक्षी** – द्वन्द्व समास।

(इ) रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए और इस तरह के कुछ वाक्य बनाइए।

1. बरसते बादल अच्छे लगते हैं। **ज :** गरजते शेर से डर लगता है। 2. झरती धाराएँ सुंदर लगती हैं। **ज :** दौड़ते हिरण बहुत सुंदर लगते हैं। 3. गिरती बूँदें छम-छम करती हैं। ज : उड़ते पक्षी मनभावन लगते हैं। 4. बहता पानी शुद्ध होता है। ज : रेंगते कीड़े बरसात में दिखते हैं। 5. बढ़ता हुआ पौधा, खिलते हुए फूल, फैलती हुई सुगंध आदि अच्छे लगते हैं। ज : **ज : बरसता हुआ** बादल, **उछलते हुए** झरने, **तैरती हुई** मछली आदि अच्छे लगते हैं।

2. ईदगाह (कहानी) लेखक : मुंशी प्रेमचंद।

शब्दार्थ : रोज़ा = ముస్లిముల ఉపవాసం; **रौनक** = సొగసు; **कचोटना** = గుచ్చుకొనుట; **गिनना** = లెక్కపెట్టుట; **कोस** = రెండు మైళ్ళ దూరం; **बिगुल** = ఈల**दुबला-पतला** = బక్కపలచని; **छाले** = బొబ్బలు; **गोटा** = వస్త్రపు అంచు; **भड़कील** = తళుకు బెళుకుగల; **कोठरी** = చిన్నగది; **भिश्ती** = తోలుతిత్తితో నీరు మోయువాడు; **चकनाचूर** = ముక్కలు కాబడిన; **रेवड़ी** = నువ్వుజీడి; **चिमटा** = చిన్న పటకారు; **दिल बैठना** = ఉదాసీనంగా ఉండిపోవుట; **अकड़ना** = మిడిసిపడుట; **उँगली** = వేలు; **गदगद** = బాగుగా ఆనందించిన.

प्रश्न :

1. ईद के दिन का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए। ज : रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आती है। उस दिन की प्रकृति मनोहर लगती है। सुहावना प्रभात, वृक्षों पर हरियाली, खेतों में रौनक, आसमान पर लालिमा, शीतल सूरज़ इन सब को देखकर हमें लगता है कि पूरी प्रकृति हमको ईद की बधाई दे रही है।

2. हामिद ग़रीब है फिर भी वह ईद के दिन अन्य लड़कों से अधिक प्रसन्न है, क्यों ? ज : हामिद एक भोला भाला पाँच साल का गरीब लड़का है। उनके माँ-बाप हैज़े की भेंट हो जाने से उसकी परवरिश दादी ही कर रही है। जो उसके पास नहीं है उसके लिए चिन्तित रहने वाला लड़का नहीं है। वह आशावाद है। इसलिए ईद के दिन वह अन्य लड़कों से अधिक प्रसन्न है।

3. हामिद के ख़ुशी का कारण क्या है ? ज : हामिद को बताया गया है कि उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत-सी अच्छी चीज़ें लाने गयी हैं। हामिद का मन बहुत निर्मल है। वह मेला भी देखने जा रहा है। इसलिए हामिद प्रसन्न है।

4. हामिद चिमटा क्यों खरीदना चाहता था ? ज : हामिद की दादी तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाता था। अपनी दादी को दुःख न पहुँचने के लिए वह मेले में चिमटा खरीदना चाहता था।

5. हामिद के हृदयस्पर्शी विचारों के प्रति दादी अम्मा की भावनाएँ कैसी थी ? ज : हामिद के हृदयस्पर्शी विचारों के प्रति दादी अम्मा ने सोचा कि बच्चे में कितना त्याग, सद्भाव और विवेक है। दूसरों को खिलौने और मिठाई लेते देख इसका भी मन ललचाया होगा, लेकिन अपनी दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1.' ईदगाह' कहानी के कहानीकार कौन है ? इनकी रचनाओं की विशेषता क्या है ? ज :' ईदगाह ' कहानी के कहानीकार मुंशी प्रेमचन्द जी हैं। वे आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक है। इन्हें '' उपन्यास सम्राट '' भी कहा जाता है।
इनकी कहानियाँ मानसरोवर नाम से आठ भागों में संकलित हैं। वे अपनी रचनाओं से मानव समाज को नैतिक मूल्यों का विवरण देते हैं।

2. बालक प्रायः अलग-अलग स्वभाव के होते हैं। कहानी के आधार पर बताइए कि हामिद का स्वभाव कैसा है ? ज : हामिद भोला भाला लड़का था। वह अपने से ज्यादा अपनी दादी से बहुत प्यार करता था। वह संकुचित स्वभाव का नहीं था। वह आशावाद था। उसके मन में त्याग, सद्भाव और विवेक आदि संवेदनशील भावनाएँ थी।

(आ) हाँ या नहीं में उत्तर दीजिए। ज : 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. नहीं

(इ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. अमीना का क्रोध तुरंत .... में बदल गया। **ज :** स्नेह
2. कीमत सुनकर हामिद का दिल .... गया। **ज :** बैठ
3. हामिद .... लाया। **ज :** चिमटा
4. महमूद के पास .... पैसे थे। **ज :** बारह

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए।

1. हामिद के स्थान पर आप होते तो क्या खरीदते और क्यों ? ज : हामिद के स्थान पर मैं होता तो मोल-भाव कर दो पैसे में चिमटा खरीदता। बाकी एक पैसे से कुछ मिठाई खरीद कर खा लेता। मैं खुश होता। दादी माँ को भी खुश करता।

2. अपनी दादी के प्रति हामिद की भावनाएँ कैसी थी ? अपने शब्दों में लिखिए। ज : हामिद अपनी दादी से बहुत प्यार करता था। वह अपनी दादी के लिए अपनी खुशी भी त्याग देता। उसे अपनी खुशी से ज्यादा दादी का सुख प्रिय था। वह जानता था कि उसकी दादी उसका बहुत ख्याल रखती है। इसलिए उसे भी अपनी दादी का ख्याल रखना चाहिए।

3. बड़े-बुज़ुर्गों के प्रति आदर, श्रद्धा और स्नेह भावनाओं का महत्व अपने शब्दों में बताइए।

ज : बड़े-बुज़ुर्गों का आदर करना हर व्यक्ति का प्रथम कर्तव्य है। आज के समाज में बड़े-बुज़ुर्गों का आदर नहीं होता। बेटे अपने माँ-बाप को बुढ़ापे में बेसहारा छोड़ देते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। इस संदर्भ में हामिद का स्वभाव वर्तमान समाज के लिए प्रेरणादायक है।

(आ)' ईदगाह ' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

' ईदगाह कहानी के कहानीकार मुंशी प्रेमचन्द जी हैं । वे आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक है । इन्हें '' उपन्यास सम्राट '' भी कहा जाता है । इनकी कहानियाँ मानसरोवर नाम से आठ भागों में संकलित हैं । वे अपनी रचनाओं से मानव समाज को नैतिक मूल्यों का विवरण देते हैं ।

प्रस्तुत कहानी में त्यागी, सद्भावी, विवेकी और बड़े-बुजुर्गों का हितकारी लड़के का जीता-जागता वर्णन है ।

हामिद दुबला-पतला, भोला-भाला गरीब लड़का है । उसके माता-पिता मर गये । यह बात उसे पता नहीं । दादी-माँ की देख-रेख में पलता है । उसके जूते तक नहीं है । घर में दाना तक नहीं है ।

वह ईद का दिन है । प्रकृति मनोहर है । दोस्तों के साथ वह तीन कोस की दूरी पर स्थित ईदगाह पैदल जाता है । नमाज़ समाप्त होते ही सारे बच्चे मन-पसंद के खिलौने और मिठाइयाँ खरीदते हैं । हामिद खिलौनों को ललचाई आँखों से देखता है । पर, चुप रहता है । वह सोचता है कि बुढ़िया दादी के पास चिमटा नहीं हैं । इसलिए अकसर उसके हाथ और उँगलिया जल जाते हैं । तुरंत वह मोल-भाव करके अपने पास के पूरे तीन पैसे से चिमटा खरीदता है । दोस्त उसका मज़ाक करते हैं । वह उनका परवाह नहीं करता । घर लौटकर वह दादी को चिमटा देता है । दादी-माँ उसको दुआएँ देती और खुशी के आँसू बहाती है ।

भाषा की बात :

(अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए ।

1. ईद, प्रभात, वृक्ष (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए ।)

1. **ईद :** चाँद देखने के अगले दिन **ईद** मनाई जाती है । **पर्यायवाची शब्द :** त्यौहार, पर्व ।
2. **प्रभात :** वसंत ऋतु के **प्रभात** बहुत सुंदर होते हैं । **पर्यायवाची शब्द :** सुबह, प्रातः ।
3. **वृक्ष : वृक्ष** मानव को अक्षय संपदा है । **पर्यायवाची शब्द :** पेड़, तरु ।

2. अपराधी, प्रसन्न (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **अपराधी** x निरपराधी **वाक्य प्रयोग :** वह **अपराधी** नहीं है ।
2. **प्रसन्न** x अप्रसन्न **वाक्य प्रयोग :** वह अच्छा अंक प्राप्त किया इसलिए **प्रसन्न** है ।

3. मिठाई, चिमटा, सड़क (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **मिठाई** – मिठाइयाँ **वाक्य प्रयोग :** मुझे **मिठाई** पसंद की चीज़ है ।
2. **चिमटा** – चिमटे **वाक्य प्रयोग : चिमटा** तवे से रोटी उतारने के काम आता है ।
3. **सड़क**– सड़कें **वाक्य प्रयोग : सड़क** पर बाईं तरफ़ से चलना चाहिए ।

(आ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए ।

1. बेसमझ, सद्भाव, निडर (उपसर्ग पहचानिए ।) **ज :** बेसमझ – बे, सद्भाव – सत् , निडर – नि ।
2. दुकानदार, भड़कीला, ग़रीबी (प्रत्यय पहचानिए ।) **ज :** दुकानदार – दार, भड़कीला – ईला, ग़रीबी – ई ।
3. मीठा, प्रसन्न, बूढ़ा (भाववाचक संज्ञा में बदलिए ।) **ज :** मीठा – मिठास, प्रसन्न – प्रसन्नता, बूढ़ा – बुढ़ापा ।

(इ) इन्हें समझिए और अभ्यास कीजिए ।

1. हामिद के बाज़ार से आते ही अमीना ने उसे छाती से लगा लिया ।

ज : बाजार से – यहाँ ' से ' अपादान कारक है । छाती से – यहाँ ' से ' करण कारक है ।

2. हामिद ने कहा कि घर की देखरेख दादी ने की । **ज :** यहाँ ' कि ' समुच्चय बोधक है तथा ' की ' करना क्रिया की पूर्णता का द्योतक है ।

(ई) 1. नीचे दिया गया उदाहरण समझिए । उसके आधार पर दिये गये वाक्य बदलिए ।

1.	लाया ।	2.	बोला ।	3.	लिया ।
	लाया है ।		बोला है ।		लिया है ।
हामिद चिमटा	लाया था ।	हामिद दादी से	बोला था ।	हामिद ने चिमटा	लिया था ।
	लाया होगा ।		बोला होगा ।		लिया होगा ।
	ला रहा था ।		बोल रहा था ।		ले रहा था ।

2. पाठ में आये मुहावरे पहचानिए और अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए ।

1. **भेंट हो जाना** = मर जाना । **वाक्य प्रयोग :** आजादी की लड़ाई में अनेक लोग भारत माँ की **भेंट हो गये** ।
2. **दाना तक न होना** = पास में कुछ भी न होना । **वाक्य प्रयोग :** आज भी अनेक लोगों के घर में **दाना तक नहीं हैं** ।
3. **दिल कचोटना** = दुःखी होना । **वाक्य प्रयोग :** अनाथ बच्चों को देखकर मेरा **दिल कचोट** रहा है ।
4. **दामन आना** = निकट आना । **वाक्य प्रयोग :** वह इतने दिनों बाद मुझे देख **दामन आ गया** ।
5. **धावा बोलना** = हमला करना । **वाक्य प्रयोग :** भारत की सेना ने पाकिस्तान पर **धावा बोल दिया** ।
6. **चकनाचूर हो जाना** = नष्ट हो जाना । **वाक्य प्रयोग :** धन के अभाव में मेरा डॉक्टर बनने का सपना **चकनाचूर हो गया** ।
7. **दिल बैठ जाना** = निराशा हो जाना । **वाक्य प्रयोग :** परीक्षा में असफलता सुनकर बालक **दिल बैठ गया** ।
8. **कलेजा मज़बूत करना** = हिम्मत करना । **वाक्य प्रयोग :** साक्षात्कार होने पहले मैं अपना **कलेजा मज़बूत कर लिया** ।
9. **मोल लेना** = खरीदना । **वाक्य प्रयोग :** मैंने यह कलम दस रुपये में **मोल लिया** है ।
10. **माथे पर हाथ रखना** = अफसोस करना । **वाक्य प्रयोग :** अपनी टीम हारने के बाद खिलाड़ी **माथे पर हाथ रख** लिया ।
11. **मन गदगद होना** = प्रसन्न होना । **वाक्य प्रयोग :** आज़ादी की खबर सुन लोगों का मन **गदगद हो गया** ।

3. हम भारतवासी (कविता) लेखक : आर. पी. ' निशंक '

शब्दार्थ : दुनिया = ప్రపంచం; **भटकना** = దారితప్పి అటూ, ఇటూ తిరుగుట; **पावन** = పవిత్రమైన; **राह** = మార్గము; **धाम** = స్వర్గము, ఇల్లు; **तथ्य** = వాస్తవికమైన; **श्रद्धा** = శ్రద్ధ; **बगिया** = తోట; **बसाना** = నిర్మించుట; **महकना** = సువాసన వచ్చుట; **कुहासा** = పొగమంచు; **नफ़रत** = ఏవగింపు; **सरसाना** = శోభిల్లుట; **क्लेश** = దు:ఖము; **उलझन** = చిక్కు; **मिटाना** = తొలగించుట.

प्रश्न :

1. ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ? **ज :** सबके साथ हमें मिलजुल कर रहना चाहिए । जाति, धर्म, प्रांत, भाषा

आदि के नाम पर किसी से भेदभाव नहीं करना चाहिए। इस प्रकार हम भेदभाव मिटा सकते हैं।

2. हमें अपने जीवन में कैसा पथ अपनाना चाहिए ? ज : हमें अपने जीवन में सत्य मार्ग अपनाना चाहिए। दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए। मन में सबके प्रति श्रद्धा और प्रेम का भाव रखना चाहिए।

3. हम भटकने वालों को राह कैसे दिखा सकते हैं ? ज : जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा से ही ज्ञान मिलता है। हम ज्ञान का प्रसार कर भटकने वालों को जीवन की वास्तविकता बताते, राह दिखा सकते हैं।

4. सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ? ज : सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकाने के लिए हमें स्वयं इनका पालन करना होगा, मन में श्रद्धा और प्रेम रखना होगा।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यह गीत आपको कैसा लगा ? अपनी पसंद और नापसंद का कारण बताइए। ज : यह गीत सरल, सुबोध है। गाने का अनुकूल है। देश भक्ति की भावना जागकर हमें विश्वबंधुत्व का कदम बढ़ाने की प्रेरणा देता है। इसलिए यह गीत मुझे बहुत पसंद आया। जब यह कविता मुझे इतनी अच्छी लगी तो नापसंद होने का सवाल ही नहीं उठता है।

2. दुनिया को ' पावन धाम' बनाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ? ज : जहाँ धर्म-जाति, उच्च-नीच, अमीर-गरीब, वर्ण-वर्ग का भेद भाव नहीं होता है, जहाँ पर भाई चारे का भाव होता है, वह प्रदेश स्वर्ग बन जाता है। इस प्रकार की संस्कृति भारत में हैं। हम इसी संस्कृति को पूरे विश्व में फैलाने का प्रयत्न करेंगे। तब यह विश्व अपने आप पावन धाम बन जाएगा।

(ई) नीचे दिया गया पद्यांश पढ़कर सही उत्तर पहचानिए।

1. धरती रंग की चुनरी कौन-सा गीत सुना रही है ? ज : विश्वशांति का। **2. भारत के लाल कैसे हैं ? ज :** हठीले।

3. सैनिक किसे सभी का अधिकार मानते हैं ? ज : आजादी को। **4.' मान' शब्द का विलोमार्थक है– ज :** अपमान।

5. भारत माँ के बेटे क्या गँवाना नहीं चाहते हैं ? ज : मान।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 - 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. उलझनों से बचे रहने के लिए हमें कैसी सावधानियाँ लेनी चाहिए ? ज : पहले पहल उलझनों का सामना करने के लिए हम में आत्मविश्वास होना चाहिए। किसी से दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। निडर होकर बुद्धिमता से सोच विचार कर कार्य करने से हमें उलझनों से बचा पाते हैं।

2. निराशावादी और आशावादी के स्वभाव में क्या अंतर होता है ? ज : आशावादी किसी न किसी तरह अपने काम पूरे करने के लिए सोचता है तो निराशा वादी काम शुरु करने के लिए ही सोचता रहता है। आशावादी अपनी मेहनत के भरोसे पर रहता है तो निराशा वादी के जीवन में मेहनत की बात ही नहीं रहती।

(आ) गीत में ' धरती को स्वर्ग ' बनाने की बात कही गयी है। हम इसमें क्या सहयोग दे सकते हैं ? ज : धरती को स्वर्ग बनाने के लिए मनुष्यों में भरे हुए धर्म-जाति, उच्च-नीच, अमीर-गरीब, वर्ण-वर्ग का भेद भाव दूर करना चाहिए। विश्व बंधुत्व की भावना जगानी चाहिए। मानवता और नैतिकता से व्यवहार करना चाहिए। इस प्रकार बरताव कर हम ' धरती को स्वर्ग ' बनाने में सहयोग दे सकते हैं।

(इ) विश्वशांति की राह में समर्पित किसी महान व्यक्ति का साक्षात्कार आप लेना चाहेंगे ? साक्षात्कार में उनसे पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक सूची तैयार कीजिए।

ज : विश्वशांति की राह में समर्पित श्री ओबामा का साक्षात्कार लेना चाहूँगा। प्रश्नों की सूची :

1. सादर प्रणाम, जी ! विश्वशांति की राह आपने क्यों पकड़ ली ? 2. आज की परिस्थिति में विश्वशांति का कहाँ तक संभव हो सकता है ?
3. विश्वशांति के बाधक-तत्व क्या-क्या हो सकते हैं ? 4. आपकी राह में अब तक कौन-से रोड़ों का सामना करना पड़ा ?
5. युवा-पीढ़ी के लिए आपका संदेश क्या है ?

(ई) सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?

ज : सत्य : सच्चाई से ही व्यक्ति अपने जीवन में महान बन जाता है। गाँधीजी अपनी सच्चाई की वज़ह से ही महात्मा बने। इसलिए सबके मन में सच्चाई होनी चाहिए।

अहिंसा : जो अहिंसा के मार्ग पर अपने कदम बढाये वे महान व्यक्ति बने। भगवान बुद्ध अहिंसा के मार्ग में ही चलकर सभी को प्रेरणा दी।

त्याग : सारे विश्व को अपना परिवार समझकर उनके लिए सब कुछ देने के लिए तैयार रहना ही त्याग है। भगवान ईसा दूसरों के पापों को मिटाने के लिए अपने प्राण त्याग दिये। और इस विश्व के '' भगवान '' बने। इसलिए इन तीनों का हमारे जीवन में गहरा संबंध है।

पाठ का सारांश : '**हम भारतवासी**' कविता के कवि का नाम आर.पी.' निशंक' है। इनकी रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य ' देशभक्ति ' है। इन्होंने समर्पण, नवंकुर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, जीवन पथ में, मातृभूमि के लिए, कोई मुश्किल नहीं आदि चर्चित काव्य रचनाएँ लिखी हैं।

भारतवासी होने के नाते हम इस विश्व को पवित्र स्वर्ग बनाएँगे। पूरे विश्वको हम इस प्रकार का एक अद्‌भुत दृश्य दिखायेंगे कि हमारे मन में जिस प्रकार श्रद्धा और प्रेम का भाव है।

मनुष्यों में भरे हुए ऊँच-नीच, वर्ण-वर्ग आदि का भेद-भाव मिटाकर उनके मन में प्रेम भाव भर देना चाहिए। नफ़रत को भगाकर सारे मनुष्यों पर प्रेम रूपी अमृत बरसाना चाहिए।

कष्टों में, बाधाओं में फँसे हुए लोगों को वास्तविक जीवन दिखाना चाहिए। जीवन रूपी पथ में भटकनेवाले लोगों को प्रेम मार्ग दिखाना चाहिए। खुशियों के दीप दर्शाकर उनके मन में रोशनी भरना चाहिए।

सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पन के बगीचे को अत्यंत सुंदर बनाना चाहिए। इस बगीचे की महक को हर एक प्रान्त में फैलाना चाहिए। विश्व की सारी बाधाओं को दूर करके धरती को स्वर्ग बनाएँगे।

भाषा की बात : (अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. दुनिया, अमृत, पावन (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **दुनिया :** **<u>दुनिया</u>** की भलाई करना हमारा कर्तव्य है। **पर्यायवाची शब्द :** संसार, विश्व।
2. **अमृत :** माँ का दूध बेटे के लिए **<u>अमृत</u>** के समान है। **पर्यायवाची शब्द :** सुधा, पीयूष।
3. **पावन :** भारत एक <u>पावन</u> देश है। **पर्यायवाची शब्द** : पवित्र, शुद्ध।

2. निराशा, त्याग, प्यार (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **निराशा** x आशा — **वाक्य प्रयोग :** आशावान लोगों को **<u>निराशा</u>** छू भी नहीं सकती।
2. **त्याग** x लोभ — **वाक्य प्रयोग :** आराम **<u>त्याग</u>** कर ही हम कुछ बन सकते हैं।
3. **प्यार** x घृणा — **वाक्य प्रयोग :** माँ अपने बेटे से बहुत **<u>प्यार</u>** करती है।

3. खुशी, बगीचा, भावना (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **खुशी** – खुशियाँ — **वाक्य प्रयोग :** अच्छे अंक पाने पर मुझे बहुत **<u>खुशी</u>** हुई।
2. **बगीचा** – बगीचे — **वाक्य प्रयोग :** पेड़-पौधे **<u>बगीचा</u>** के सुन्दर बढ़ाते हैं।
3. **भावना** – भावनाएँ — **वाक्य प्रयोग :** हमें अपनी **<u>भावनाएँ</u>** प्रकट नहीं करना चाहिए।

(आ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. पवन, पावन, निराशा **(संधि विच्छेद कीजिए।)** **ज :** पवन = **पो + अन**, पावन = **पौ + अन**, निराशा = **निर् + आशा**।
2. भारतवासी, जीवनज्योत **(समास पहचानिए।)** **ज :** भारतवासी – तत्पुरुष समास। जीवनज्योत – तत्पुरुष समास।

(इ) इन्हें समझिए और वाक्य प्रयोग कीजिए। 1. खुशी 2. खुशियाँ 3. खुशियों में

<u>उदा</u> : 1. उसे **<u>खुशी</u>** है। 2. उसे **<u>खुशियाँ</u>** चाहिए। 3. वह **<u>खुशियों</u>** की तलाश में है।

ऊपर दिये गये पहला वाक्य में रेखांकित शब्द स्त्री लिंग संज्ञा है और एकवचन में है।
दूसरा वाक्य में रेखांकित शब्द स्त्री लिंग बहुवचन में है (बहुवचन में ' ई ' कारांत स्त्री लिंग संज्ञा शब्द के अंत में ' ई ' को ' इयाँ ' करते हैं।)
तीसरा वाक्य में रेखांकित स्त्री लिंग बहुवचन में ' इयाँ ', ' इयों ' के रूप में बदल गया है क्यों कि यदि बहुवचन संज्ञा शब्द के बाद कारक विभक्ति का प्रयोग हो तो ' खुशियों ' जैसा परिवर्तन आता है।
(' ई ' कारांत पुंलिंग संज्ञाएँ ए.व. और ब.व. में एक जैसा होती है। उदा : भारतवासी **(ए.व.)**, भारतवासी **(ब.व.)**, संज्ञा के बाद कारक आने से ' इयों ' जैसा परिवर्तन आता है।)

(ई) 1. नीचे दिया गया उदाहरण समझिए। उसके अनुसार दिये गये वाक्य बदलिए।

1.	दिखाएँगे।	**2.**	समझाएँगे।
भटक रहे जो जीवन पथ से उनको राह	दिखाते रहेंगे।	उलझन में उलझे लोगों को, तथ्य दीप	समझाते रहेंगे।
	दिखा चुकेंगे।		समझा चुकेंगे।
	दिखाएँ।		समझाएँ।

2. कविता में आये मुहावरे पहचानिए और अर्थ लिख कर वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. **प्यार बसाना** = प्रेम स्थापित करना। **वाक्य प्रयोग :** गाँव के लोगों में एक-दूसरे के प्रति **<u>प्यार बसता</u>** है।
2. **कुहासा तोड़ना** = भ्रमजाल तोड़ना, स्पष्ट करना। **वाक्य प्रयोग :** हमें अंधविश्वास का **<u>कुहासा</u>** शिक्षा द्वारा तोड़ना होगा।
3. **रस सरसाना** = आनंद फैलाना, सुखी बनाना। **वाक्य प्रयोग :** तिरंगा को लहराते देख देशभक्तों के मन में **<u>रस सरसाता</u>** है।
4. **विश्वास जगाना** = भरोसा दिलाना। **वाक्य प्रयोग :** भलाई के कारण ही मन में एक-दूसरे के प्रति **<u>विश्वास जगता</u>** है।
5. **राह दिखाना** = सलाह देना। **वाक्य प्रयोग :** मैं भटक गया तो मेरे गुरु जी ने मुझे सच्ची **<u>राह दिखाई</u>**।

उपवाचक — शांति की राह में (निबंध)

शब्दार्थ : **राह** = మార్గము; **तत्पर** = కుతూహలంగా ఉన్న ; **संयुक्त राष्ट्र संघ** = ఐక్యరాజ్యసమితి ; **उत्कृष्ट** = శ్రేష్ఠము; **हस्ती** = అస్తిత్వము; **भाईचारा** = సోదరభావము; **खनिज** = గని; **समूचा** = అంతయు; **समझौता** = ఒడంబడిక; **सीख** = నీతి.

प्रश्न :

1. शांति की परिभाषा क्या हो सकती है ? अपने शब्दों में बताइए। ज : अपने मन पर काबू रखते हुए सचाई की राह पर चलना ही वास्तविक शांति है। जिसका मन निर्मल हो, जिसके मन में किसी के प्रति द्वेष न हो, जो निष्कपट हो, जो लालची न हो, उसी के मन में शांति होगी।

2. नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है ? ज : नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें भेदभाव से दूर रहने का संदेश मिलता है। उनका संदेश है कि हमें अन्याय का विरोध करना चाहिए। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। भले काम में आनेवाली मुसीबतों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

3. मदर तेरेसा ने अपने जीवन में क्या सिद्ध कर दिखाया है ? ज : मदर तेरेसा एक ऐसा नाम है, जो शांति, करुणा, प्रेम व वात्सल्य का पर्याय कहलाता है। उन्होंने सिद्ध कर दिखाया है कि दुखियों की सहायता से बड़ा कोई धर्म नहीं। जीवन की सार्थकता तो अनाथों, गरीबों और रोगियों की सेवा में ही है।

4. '' प्रार्थना करने वाले होंठों से कहीं अच्छे सहायता करने वाले हाथ हैं।'' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। ज : इसका अर्थ है कि मानव की सेवा ही माधव की सेवा है। भगवान के यश गानेवाले, वाक्य पढ़नेवाले होंठों से दीन दु:खियों की सेवा करनेवाले हाथ ही अच्छे है, पवित्र है।

4. कण-कण का अधिकारी (कविता) लेखक : डॉ. रामधारी सिंह ' दिनकर '

शब्दार्थ : **मनुज** = మనుష్యుడు; **संचित** = పోగు చేయబడిన; **अर्थ** = ధనము; **भोगता** = అనుభవించుట; **भाग्यवाद** = అదృష్టము; **छल** = మోసం; **श्रम** = అధికంగా శ్రమించు పని; **भुजबल** = భుజబలము; **सम्मुख** = ఎదుట; **विनीत** = వినయంగల; **नभ-तल** = ఆకాశం-భూమి; **श्रम-जल** = చెమట; **न्यस्त** = ఉంచబడిన; **अधिकारी** = అధికారి; **जन-जन** = ప్రతి మనిషి.

प्रश्न :

1. भाग्यवाद का छल क्या है ? ज : भाग्यवाद का छल यह है कि कुछ लोग बिना काम किए पाप से जमा किये गये धन को भोगते हैं।
2. नर समाज का भाग्य क्या है ? ज : नर समाज का भाग्य उसकी मेहनत और भुजबल है।
3. श्रमिक के सम्मुख क्या-क्या झुके हैं ? ज : श्रमिकों के सामने आकाश और धरती ने भी अपना माथा झुकाया है।
4. श्रम जल किसने दिया ? ज : श्रम-जल श्रमिकों मानी मज़दूरों ने दिया है।
5. मनुष्य का धन क्या है ? ज : प्रकृति की संपत्ति मनुष्य का धन है।
6. कण-कण का अधिकारी कौन है ? ज : कण-कण का अधिकारी प्रत्येक मनुष्य है।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए ।

1. भाग्य और कर्म में आप किसे श्रेष्ठ मानते हैं ? क्यों ? **ज :** भाग्य से कर्म श्रेष्ठ है। क्योंकि कर्म ही भाग्य का आधार है। यदि मनुष्य अपना कर्म न करे तो भाग्य उसकी कोई सहायता नहीं कर सकता।

2. श्रम के बल पर हम क्या-क्या हासिल कर सकते हैं ? **ज :** श्रम के बल पर हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं। श्रम करनेवाले के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। श्रम के बल पर हम यश, कीर्ति, धन, सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं।

(आ) कविता पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. इस कविता के कवि कौन है ? ज : इस कविता के कवि डॉ. रामधारी सिंह ' दिनकर ' हैं।

2. कविता का यह अंश किस काव्य से लिया गया है ? ज : कविता का यह अंश ' कुरुक्षेत्र ' काव्य से लिया गया है।

3. सबसे पहले सुख पाने का अधिकार किसे है ? ज : सबसे पहले सुख पाने का अधिकार श्रमिकों को हैं।

4. कण-कण का अधिकारी किन्हें कहा गया है और क्यों ? ज : कण-कण का अधिकारी मज़दूरों व श्रमिकों को कहा गया है। क्योंकि उनके श्रम के बल पर ही मानवजाति का विकास हुआ है। इसलिए विकास के फल पर उनका पहला अधिकार है।

(इ) निम्न लिखित भाव से संबंधित कविता की पंक्तियाँ चुनकर लिखिए ।

1. धरती और आकाश इसके सामने नतमस्तक होते हैं। ज : जिसके सम्मुख झुकी हुई- पृथ्वी, विनीत नभ-तल है।

2. प्रकृति में उपलब्ध सारे संसाधन मानव मात्र के हैं। ज : जो कुछ न्यस्त प्रकृति में है, वह मनुज मात्र का धन है।

(ई) नीचे दिया गया पद्यांश पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कवि के अनुसार सफलता किस प्रकार प्राप्त हो सकती है ? ज : कवि के अनुसार बिना रुके आगे बढ़ते जाने से सफलता प्राप्त हो सकती है।

2. हमारा सफर कब सरल बन सकता है ? ज : जब हमारी पूरी दृष्टि लक्ष्य पर केंद्रित होती है, तब हमारा सफ़र सरल बन सकता है।

3. इस कविता के लिए उचित शीर्षक दीजिए। ज : सफलता का रहस्य। (या) जन्म की सार्थकता।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए ।

1. कवि मेहनत करने वालों को सदा आगे रखने की बात क्यों कर रहे हैं ? ज : मेहनत के आधार पर ही मानव समाज का विकास होता है। देश की समृद्धि और उत्पादकता के मूलकारक है, मेहनत करने वाले। उनकी मेहनत का सही प्रतिफल मिलना चाहिए। इसलिए कवि मेहनत करने वालों को सदा आगे रखने की बात कर रहे हैं।

2. अनुचित तरीके से धन अर्जित करने वाला व्यक्ति सही है या श्रम करने वाला ? अपने विचार बताइए। ज : श्रम करके धन अर्जित करने का तरीका सही है। क्योंकि अनुचित तरीका अपनाना मानवता नहीं है। अनुचित तरीके में हम दूसरों को नुकसान पहुँच कर अपने लिए धन एकत्र करना समुचित नहीं हैं। यह नैतिकता नहीं है। श्रम से मानव कल्याण होता है।

(आ) कवि ने मज़दूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है ? अपने शब्दों में लिखिए । (पाठ का सारांश लिखिए ।)

(ई) ' नर समाज का भाग्य एक है, वह श्रम, वह भुजबल है ।' जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है । अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

ज : श्रम ही भाग्य बनाता है। इसके सामने धरती-आकाश भी अपना सिर झुकाते हैं। श्रम करने से ही सफलता मिलती है। श्रम के बल पर हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं। श्रम करनेवाले के लिए कुछ भी असंभव नहीं हैं। श्रम के बल पर हम यश, कीर्ति, धन, सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। अतः इसमें कोई संदेह नहीं है कि जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है।

पाठ का सारांश : डॉ. रामधारी सिंह ' दिनकर' हिन्दी के प्रसिद्ध कवियों में से एक हैं। उनका जन्म सन् 1908 में बिहार के मुंगेर में हुआ तथा निधन सन् 1974 में हुआ। ' ऊर्वशी ' कृति के लिए इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रेणुका, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, परशुराम की प्रतीक्षा, रसवंती आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

भीष्म कहते हैं कि हे धर्म राज ! एक मनुज पाप के बल से धन कमाता है तो दूसरा उसे कर्म सिद्धांत के धोखे से भोगता रहता है। श्रम और भुजबल मानव-समाज का एक मात्र आधार तथा भाग्य है। श्रम के सामने आसमान, पृथ्वी सब, आदर से झुकजाते हैं। श्रम करने वाले को सुखों से वंचित नहीं रहना चाहिए। जो पसीना निकालकर श्रम करता है उसे पीछे नहीं रहा देना चाहिए और जिसने श्रम कर इस प्रकृति पर विजय पाया है सबसे पहले उसी को सुख पाना चाहिए।

प्रकृति में जो भी वस्तु है वह सब मानव की संपदा है और उसके कण-कण पर हर मानव का अधिकार है। श्रम से बढ़कर कोई मूल्यवान धन नहीं है। श्रम के द्वारा ही सारी संपत्ति होती है। लेकिन जो श्रम करता है उसे सुख-भोगों से वंचित नहीं रहना चाहिए। श्रम करने से किसी को अभाव की शंका नहीं रहती। श्रम ही सबसे बडा धन है। **नीति :** श्रम एव जयते।

भाषा की बात :

(अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए ।

1. जन, पृथ्वी, धन (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए ।)

1. **जन :** प्रकृति की संपत्ति पर **जन-जन** का अधिकार है। **पर्यायवाची शब्द :** लोग, प्रजा, जनता।
2. **पृथ्वी :** **पृथ्वी** गोला है। **पर्यायवाची शब्द :** धरती, भूमि, धरा।
3. **धन :** तंदुरुस्ती सबसे बड़ा **धन** है। **पर्यायवाची शब्द :** अर्थ, माया, रुपया।

2. पाप, सुख, भाग्य (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **पाप** x पुण्य **वाक्य प्रयोग :** हमें **पाप** से दूर रहना चाहिए।
2. **सुख** x दुःख **वाक्य प्रयोग :** **सुख** और दुःख से ही जीवन पूर्ण होता है।
3. **भाग्य** x दुर्भाग्य **वाक्य प्रयोग :** हमें **भाग्य** के भरोसे नहीं बैठना चाहिए।

3. जन-जन, कण-कण (पुनरुक्ति शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **जन-जन** **वाक्य प्रयोग :** देश के प्राण **जन-जन** में बसते हैं। 2. **कण-कण** **वाक्य प्रयोग :** भगवान **कण-कण** में वास करते हैं।

4. मज़दूर मेहनत करता है। (वाक्य का वचन बदलिए ।) ज : मज़दूर मेहनत करते हैं।

5. **मनुष्य, मज़दूर (भाववाचक संज्ञा में बदलकर लिखिए।)** **ज : मनुष्य** – मनुष्यता, **मज़दूर** – मज़दूरी।

(आ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. अधिकार–अधिकारी, भाग्य–भाग्यवान **(अंतर बताइए।)**

ज : 1. अधिकार – भाववाचक संज्ञा
अधिकारी – जातिवाचक संज्ञा

2. भाग्य – भाववाचक संज्ञा
भाग्यवान – जातिवाचक संज्ञा

2. यद्यपि, पर्यावरण **(संधि विच्छेद कीजिए।)** **ज :** यद्यपि = **यदि + अपि**, पर्यावरण = **परि + आवरण**।

3. श्रम-जल, नभ-तल, भुजबल **(समास पहचानिए।)** **ज : श्रम-जल** – तत्पुरुष समास। **नभ-तल** – द्वंद्व समास। **भुजबल** – तत्पुरुष समास।

4. <u>एक</u> मनुज संचित करता है, अर्थ पाप के बल से,
<u>और</u> भोगता उसे दूसरा, भाग्यवाद के छल से। **(रेखांकित शब्दों के पद परिचय दीजिए।)**

ज : <u>एक</u> – विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, मनुज विशेष्य का विशेषण।
<u>और</u> – अव्यय, समुच्छय बोधक अव्यय, दो वाक्यों को मिलाता है।

5. <u>जिसने</u> श्रम-जल दिया <u>उसे</u> पीछे माता रह जाने दो **(कारक पहचानिए।)** **ज :** ने, वह + को – उसे।

(इ) इन्हें समझिए। सूचना के अनुसार कीजिए।

1. जाने दो, पाने दो, बढ़ने दो (**संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग समझिए।**) **ज :** दो या दो से अधिक धातुओं के मेल से बननेवाली क्रिया को संयुक्त क्रिया कहते हैं। इसमें धातु मुख्य अर्थ देता है और रंजक क्रिया अर्थ में नवीनता लाती है। उदा : जाने दो – '**जा**', '**पा**', '**बढ़**' धातु हैं। 'दो' रंजक क्रिया है।

2. एक-पहला, प्रथम दो-दूसरा, द्वितीय **(अंतर समझिए।)** **ज :** एक, दो, तीन आदि हिन्दी **सामान्य संख्यावाचक** शब्द हैं।
पहला, दूसरा, तीसरा आदि हिन्दी **क्रमवाची संख्यावाचक पुल्लिंग विशेषन** शब्द कहलाते हैं। (पहली, दूसरी, तीसरी – **स्त्री लिंग विशेषण**)
प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि संस्कृत **क्रमवाची संख्यावाचक पुल्लिंग विशेषन** शब्द कहलाते हैं।

3. अभाग्य, दुर्भाग्य, सुभाग्य (**उपसर्ग पहचानिए।**) **ज :** अभाग्य – **अ**, दुर्भाग्य – **दुर्**, सुभाग्य – **सु**

4. प्राकृतिक, अधिकारी, भाग्यवान (**प्रत्यय पहचानिए।**) **ज :** प्राकृतिक – इक, अधिकारी – ई, भाग्यवान – वान

5. पुरुष श्रमिक के रूप में मेहनत करते हैं। (**लिंग बदलकर लिखिए।**) **ज :** नारी श्रमिक के रूप में मेहनत करती है।

ई) नीचे दिया गया उदाहरण समझिए। उसके अनुसार दिये गये वाक्य बदलिए।

जैसे – जिसने श्रम-जल दिया उसे पीछे मत रह जाने दो। **ज :** श्रम जल देने वाले को पीछे मत रह जाने दो।

1. जो कुछ न्यस्त प्रकृति में है, वह मनुह मात्र का धन है। **ज :** प्रकृति में न्यस्त धन मनुज मात्र का है।
2. जो मेहनत करता है वही कण-कण का अधिकारी है। **ज :** मेहनत करनेवाला कण-कण का अधिकारी है।
3. जो परोपकार करता है वही परोपकारी कहलाता है। **ज :** परोपकार करनेवाला परोपकारी कहलाता है।

5. लोकगीत (निबंध) लेखक : भगवतशरण उपाध्याय

शब्दार्थ : लोकगीत = జానపదం; **लोच** = కోమలత్వం; **त्यौहार** = పండుగ; **करताल** = చప్పట్లు కొట్టుట; **बाँसुरी** = పిల్లన గ్రోవి; **उपेक्षा** = నిర్లక్ష్యము; **परिवर्तन** = మార్పు; **संग्रह** = సంగ్రహము; **ओजस्विता** = కాంతి; **आदिवासि** = ఆదిమవాసి; **दल** = సమూహం; **देहात** = గ్రామము; **कोरा** = సరికొత్తది అయిన; **मर्म** = రహస్యం; **रोजमर्रा** = ప్రతిదినపు; **इलाका** = ప్రదేశము; **राग** = రాగము; **वीरता** = వీరత్వము; **बखान** = వర్ణన; **नट** = నర్తకుడు; **अनंत** = అంతములేని; **परंपरा** = సంప్రదాయం; **स्रोत** = ప్రదేశం; **उद्दाम** = ప్రచండమైన.

प्रश्न :

1. लोकगीत के बारे में आप क्या जानते हैं ? **ज :** लोकगीत देहाती क्षेत्रों में गाए जाने वाले गीत हैं। त्यौहारों और विशेष संदर्भों में ये गाये जाते हैं। इनको रचनेवाले गाँव के आम जनता ही होते हैं। इन्हें साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाया जाता है।

2. लोकगीत और संगीत का क्या संबंध है ? **ज :** लोकगीत अपनी लोच, ताज़गी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं। लोकगीत सीधे जनता का संगीत हैं।

3. 'पहाड़ी' किसे कहा जाता है ? **ज :** पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं लेकिन इनमें आपस में समानता भी है। इसलिए उनका नाम ही पहाड़ी पड़ गया है।

4. वस्तविक लोकगीत कैसे होते हैं ? **ज :** वास्तविक लोकगीत देश के देहातों में हैं। इनका संबंध देहात की जनता से है।

5. बारहमासा लोकगीतों के बारे में आप क्या जानते हैं ? **ज :** बारहमासा मिर्ज़ापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाया जाने वाला एक प्रकार का लोकगीत है।

6. 'बिदेसिया' लोकगीत के बारे में आप क्या जानते हैं ? **ज :** भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है। इन गीतों में अधिकतर रसिकप्रियों और प्रियाओं की बात रहती है। इनमें परदेशी प्रेमी के प्रेम, करुणा और विरह का रस बरसता है।

7. स्त्रियों के लोकगीत कैसे होते हैं ? **ज :** महिलाओं से संबंधित लोकगीतों की संख्या अनंत है। इनका सृजन भी महिलाएँ ही करती हैं। त्यौहार, विवाह आदि के अवसर पर इसे स्त्रियाँ सामूहिक रूप से गाती हैं।

8. लोकगीत किसके प्रतीक है ? **ज :** लोकगीत उद्दाम अर्थात स्वेच्छा जीवन के प्रतीक हैं।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. लोकगीत ग्रामीण जनता का मनोरंजक साधन है। कैसे ? **ज :** गाँव में मनोरंजन के आधुनिक यंत्र प्रचलन में नही हैं। वहाँ के लोग अपने गीतों की रचना स्वयं करते हैं। इनके आधार पर वे अपना मनोरंजन करते हैं। अतः लोकगीत ग्रामीण जनता का मनोरंजक साधन है।

2. हिन्दी या अपनी मातृभाषा का कोई लोकगीत सुनाइए।

ज : होली खेलें रघुवीर
अवध में होली खेलें रघुवीर
केकर हाथ कनक पिचकारी

केकर हाथ अबीर
अवध में होली खेलें रघुवीर

(आ) वाक्य उचित क्रम में लिखिए।

1. लोकगीत हैं संगीत सीधे जनता के। ज : लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं।
2. वास्तव में प्रकार है अनंत के गीतों के गाँव। ज : वास्तव में गाँवों के गीतों के अनंत प्रकार हैं।
3. मदद ढोलक की से स्त्रियाँ हैं गाती। ज : स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गीत गाती हैं।

(इ) दिया गया गद्यांश पढ़िए और इसके मुख्य शब्द पहचानकर लिखिए। ज : गाँव के गीत, आनंद के स्रोत, उद्दाम जीवन आदि।

(ई) नीचे दिया गया लोकगीत पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चिड़िया(मुनिया) हलवे की दुकान पर किसका रस लेती है ? ज : बर्फी का। **2. चिड़िया(मुनिया) हलवे की दुकान के बाद किस दुकान पर जाती है ? ज :** कपड़े का। **3. चिड़िया(मुनिया) पान की दुकान पर किसका रस लेती है ? ज :** बीड़ा का। **4. इस गीत का मूल भाव क्या है ? ज :** इस गीत का मूल भाव है कि बंदी चिड़िया स्वेच्छा-सुख का मज़ा उड़ा रही है।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. निबंध में लोकगीतों के किन पक्षों की चर्चा की गयी है ? इसके मुख्यांश बिंदुओं के रूप में लिखिए। ज : * इनके संगीत के बारे में, * इनकी रचना के बारे में, * इनसे जुड़े लोगों के बारे में, * इनके प्रकारों के बारे में, * इनके प्रचलित रूपों के बारे में, * इनके महत्व के बारे में, * इनकी भाषा के बारे में, * इनमें प्रयुक्त भाव के बारे में

2. जैसे-जैसे शहर फैल रहे हैं और गाँव सिकुड़ रहे हैं, लोकगीतों पर उनका क्या प्रभाव पड़ रहा है ? ज : वैश्वीकरण(**Globalisation**) के कारण नगरों की व्याप्ति की सीमा नहीं है। गाँव तो सिकुड़ रहे है। वे वैश्वी गाँव (**Global Village**) बन रहे हैं। विज्ञान के नए-नए आविष्कारों के फलस्वरूप मनोरंजन के साधन भी बदल गए। इसका बुरा असर लोकगीतों पर पड़ रहा है। फिर भी, कहा जाता है, अब भी मनोरंजन की दुनिया में लोकगीतों का महत्वपूर्ण स्थान है।

3. लोकगीतों में मुख्यतः ग्रामीण जनता की मार्मिक भावनाएँ हैं। अपने शब्दों में इसे सिद्ध कीजिए। ज : लोकगीत देहाती क्षेत्रों में गाए जाने वाले गीत हैं। त्यौहारों और विशेष संदर्भों में ये गाये जाते हैं। इनको रचनेवाले गाँव के आम जनता ही होते हैं। इनमें उनके दैनिक जीवन के विषय होते हैं। इनमें कोरी कल्पना को आधार नहीं बनाया जाता। इनमें फसलों, संबंधों, प्रकृति आदि से संबंधित विषय होते हैं। अतः इसमें कोई संदेह नहीं कि लोकगीत ग्रामीण जनता की मार्मिक भावनाएँ हैं। ये भारतीय संस्कृति का प्राण हैं।

(आ) ' लोकगीत ' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

भगवतशरण उपाध्याय हिन्दी साहित्य के सुपरिचित रचनाकार है। इनका जन्म सन् 1910 में हुआ। इन्होंने कहानी, रिपोर्ताज, निबंध, बाल-साहित्य में अपनी विशेष छाप छोड़ी है। विश्व साहित्य की रूपरेखा, कालिदास का भारत, ठूँठा आम, गंगा गोदावरी आदि इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

लोकगीत देहाती क्षेत्रों में गाए जाने वाले गीत हैं। त्यौहारों और विशेष संदर्भों में ये गाये जाते हैं। इनको रचनेवाले गाँव के आम जनता ही होते हैं। इन्हें साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाया जाता है।

आजकल लोकसाहित्य का बड़ा बोलचाला है। अब यह देहातों तक ही सीमित नहीं है। इसका प्रभाव नगरों तक पहुँच चुका है। यह अब विद्वानों के अध्ययन का विषय भी है। अब इनके अनेक संग्रह भी प्रकाशित हो रहे हैं।

लोकगीत कई प्रकार के होते हैं। ये गीत आदिवासियों में अधिक प्रचलित हैं। इनके गीत और नाच अधिकतर सामूहिक होते हैं। पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं लेकिन इनमें आपस में समानता भी है। कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि देहात में बहुत गाये जाते हैं।

लोकगीतों की भाषा पर क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव रहता है। इनके राग अत्यंत आकर्षक होते हैं। महिलाओं से संबंधित लोकगीतों की संख्या अनंत है। इनका सृजन भी महिलाएँ ही करती हैं।

पूरब की बोलियों में अधिकतर मैथिल-कोकिल विद्यापति के गीत गाये जाते हैं। लोकगीतों में जीवन इठला-इठलाकर लहराता है। ये भारतीय संस्कृति का प्राण हैं। लोकगीत उद्दाम अर्थात स्वेच्छा जीवन के प्रतीक हैं।

भाषा की बात :

(अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. साधना, त्यौहार , देहात (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **साधना :** ईश्वर की साधना से हमें शक्ति मिलती है। **पर्यायवाची शब्द :** पूजा, तपस्या, उपासना।
2. **त्यौहार :** भारत त्यौहारों का देश है। **पर्यायवाची शब्द :** पर्व, उत्सव।
3. **देहात :** लाल बहादुर शास्त्री देहात के रहने वाले थे। **पर्यायवाची शब्द :** ग्रामीण।

2. सजीव , परदेशी , शास्त्रीय (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **सजीव X** निर्जीव **वाक्य प्रयोग :** मनुष्य एक **सजीव** प्राणी है।
2. **परदेशी X** स्वदेशी **वाक्य प्रयोग :** हमें **परदेशी** को भी भाई समझना चाहिए।
3. **शात्रीय X** अशास्त्रीय **वाक्य प्रयोग :** भारतीय **शास्त्रीय** संगीत बहुत विकसित है।

3. यह आदिवासी का संगीत है। **(वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।) ज :** यह आदिवासियों का संगीत है।

(आ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. लोकगीत, लोकतंत्र **(इस तरह ' लोक ' शब्द के साथ बने दो शब्द लिखिए।) ज :** लोकपाल , लोकोक्ति।

2. गायक , कवि , लेखक **(लिंग बदलिए। वाक्य प्रयोग कीजिए।)**

1. **गायक –** गायिका **वाक्य प्रयोग :** वह एक लोकगायक है।
2. **कवि –** कवइत्री **वाक्य प्रयोग :** मैथिलीशरण गुप्त हिन्दी के राष्ट्रकवि हैं।
3. **लेखक –** लेखिका **वाक्य प्रयोग :** प्रेमचन्द्र हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक हैं।

3. धर्म , मास , दिन, उत्साह **(' इक ' प्रत्यय जोड़कर वाक्य प्रयोग कीजिए।)**

1. **धर्म –** धार्मिक **वाक्य प्रयोग :** पूजा-पाठ **धार्मिक** कार्य है।

2. **मास –** मासिक — **वाक्य प्रयोग :** हमारी पाठशाला में **<u>मासिक</u>** परीक्षाएँ भी होती हैं |
3. **दिन –** दैनिक — **वाक्य प्रयोग :** उद्दंड मार्तांड **दैनिक** समाचार पत्रिका है |
4. **उत्साह –** औत्साहिक — **वाक्य प्रयोग :** पढ़ाई में **<u>औत्साहिक</u>** वातावरण का बड़ा महत्व है |

(इ) इन्हें समझिए और अंतर स्पष्ट कीजिए |

1. उपेक्षा-अपेक्षा **2. कृतज्ञ-कृतघ्न** **3. बहार-बाहर** **4. दावत-दवात**

ज : ये लगभग एक जैसा दिखने वाले शब्द हैं | इनके उच्चरण में थोड़ा अंतर और अर्थ में ज्यादा अंतर है | ऐसे शब्दों में वर्तनी की गलती होने की संभावना अधिक होती हैं |

1. **उपेक्षा –** अवहेलना | **अपेक्षा –** आशा, की तुलना में | 2. **कृतज्ञ –** ऋणी | **कृतघ्न –** उपकार को भूल जाना |
3. **बहार –** वसंत | **बाहर –** सीमा के पार, दूर | 4. **दावत –** भोज **दवात –** स्याही की शीशी |

5. पेड़ **<u>पर</u>** बड़ा पक्षी है **<u>पर</u>** उसके छोटे-छोटे **<u>पर</u>** हैं | **ज :** यहा ' **पर** ' तीन विविध अर्थों में प्रयोग हुआ है | ऐसे शब्द अनेकार्थी शब्द कहे जाते हैं | पहला ' पर ' अधिकरण कारक विभक्ति है, दूसरा समुच्चय बोधक तथा तीसरा ' पंख ' के अर्थ में प्रयोग हुआ है |

6. **<u>हल</u>** चलाने से मात्र ही किसान की समस्याएँ **<u>हल</u>** नहीं होतीं | **ज :** यहा ' **हल** ' दो विविध अर्थों में प्रयोग हुआ है | ऐसे शब्द अनेकार्थी शब्द कहे जाते हैं | पहले ' हल ' संज्ञा शब्द है | दूसरा क्रिया है, जिसका अर्थ है' समाधान'

ई) नीचे दिया गया उदाहरण समझिए | उसके अनुसार दिये गये वाक्य बदलिए |

1.

	गाया जाता है	(**सा.व**)		पढ़ाया जाता है	(**सा.व**)
गायक के द्वारा लोकगीत	गाया जा रहा है	(**अ.व**)	अध्यापक के द्वारा पाठ	पढ़ाया जा रहा है	(**अ.व**)
	गाया जा रहा होगा	(**सं.व**)		पढ़ाया जा रहा होगा	(**सं.व**)

2. (1) क्या स्त्रियाँ ढ़ोलक की मदद से गाती है ?
स्त्रियाँ ढ़ोलक की मदद से गाती हैं न !

(2) क्या लोकगीत के कई प्रकार है ?
लोकगीत के कई प्रकार हैं न !

परियोजना कार्य :

ज : हमने इस नाटक का संकलन किया है | नाटक का नाम **<u>अंधेर नगरी</u>** है | इसके पात्र हैं–1. राजा 2. गुरूजी 3. कोतवाल 4. नारायणदास

6. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी (पत्र)

शब्दार्थ : **सकुशल** = క్షేమము; **प्रसन्नता** = సంతోషం; **विविध** = అనేక రకములైన; **जिज्ञासा** = కుతూహలం; **समाधान** = జవాబు; **स्वतंत्रता** = స్వాతంత్ర్యము; **संग्राम** = యుద్ధము; **आवश्यकता** = ఆవశ్యకత; **साध्य** = సాధింపదగిన; **गौरवान्वित** = గౌరవింపబడిన; **करीब** = రమారమి; **संचालन** = నిర్వహణ; **उज्वल भविष्य** = ఉజ్వల భవిష్యత్తు.

प्रश्न :

1. भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिन्दी भाषा का क्या योगदान रहा होगा ? **ज :** भारत की स्वतंत्रता में हिन्दी का महत्वपूर्ण स्थान रहा | एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के लिए भाषा की ज़रूरत होती है | उस समय इस दायित्व को हिन्दी भाषा बखूबी निभाया | महात्मा गाँधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में इस भाषा को हथियार के रुप में अपनाया गया |

2. हिन्दी भाषा की क्या विशेषता है ? **ज :** हिन्दी भाषा को भारत के अधिकतर लोग जानते हैं | इसकी लिपि देवनागरी है | इसमें जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है | इसका प्रसार अब विश्व के अनेक देशों में हो गया है | यह भारत को जोड़ने का काम करती है |

3. हिन्दी भाषा सीखने से क्या-क्या लाभ है ? **ज :** हिन्दी भाषा सीखने से देश की एकता बढ़ती है | रोजगार के अवसर बढ़ते हैं | देश को भलीभाँति समझ सकते हैं | हिन्दी का साहित्य पढ़कर उसका आनंद उठा सकते हैं |

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए |

1.' हिन्दी विश्वभाषा है |' इस कथन के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए | **ज :** यह कथन शतप्रतिशत सही है | हाल के दिनों में हिन्दी का तेजी से प्रसार हुआ है | अब हिन्दी केवल भारत तक सीमित नहीं है | यह अब विश्व के कई देशों में बोली जाती है | अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों में भी इसका अध्ययन हो रहा है |

2.' भारत में अनेकता में एकता का प्रतीक हिन्दी है |' कैसे ? **ज :** भारत में अनेक भाषाएँ हैं | लेकिन हिन्दी सभी सीखते हैं | हिन्दी हिंदीतर क्षेत्र के लोग भी बड़े चाव से सीखते हैं | यह भारतीय लोगों को एक सूत्र में बाँधती है | अतः भारत में एकता की प्रतीक हिन्दी है |

(आ) पाठ के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में दीजिए |

ज : 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ

(इ) नीचे दिये गये वाक्य पाठ के आधार पर उचित क्रम में लिखिए |

1. भारतीय हिन्दी शाब्दिक अर्थ भी कहलाती है से अपने | **ज :** हिन्दी अपने शाब्दिक अर्थ से भी भारतीय कहलाती है |
2. हिन्दी 14 सितंबर मानते हैं को दिवस | **ज :** 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाते हैं |
3. तरह इस हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय पर शोभित है स्तर | **ज :** इस तरह हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शोभित है |
4. स्वास्थ्य ध्यान पूरा रखना का अपने | **ज :** अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना |

(ई) नीचे दिया गया विज्ञापन पढ़िए | प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

1. यह विज्ञापन किस बैंक का है ? **ज :** यह विज्ञापन भारतीय स्टेट बैंक का है |
2. किस नौकरी के लिए यह विज्ञापन दिया गया है ? **ज :** राजभाषा अधिकारी (सहायक प्रबंधक – राजभाषा)
3. आवेदन करने से पहले वेबसाइट से अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए क्यों कहा गया होगा ? **ज :** समाचार पत्र में विज्ञानप के आकार के अनुसार दाम लगते हैं | इसलिए आवेदन करने से पहले वेबसाइट से अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा गया होगा |

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता : **(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए |**

1. सांस्कृतिक दृष्टि से हिन्दी का क्या महत्व है ? **ज :** हिन्दी ने हमारा संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | यह भारतीयों की साँसों में बसी भाषा है | यह हम सबकी संस्कृति, सभ्यता व गरिमा का प्रतीक है | इसके साहित्य में भारतीय सांस्कृतिक तत्वों का भंडार है |

हिन्दी सीखना हमारा सांस्कृतिक कर्तव्य है।

2. हिन्दी देश को जोड़ने वाली कड़ी है। इसे अपने शब्दों में सिद्ध कीजिए। **ज :** भारत में अनेक भाषाएँ हैं। लेकिन हिन्दी ही देश को जोड़ने वाली कड़ी है। हिन्दी भाषा को भारत के अधिकतर लोग जानते हैं। इसकी लिपि देवनागरी है। इसमें जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है। इसका प्रसार अब विश्व के अनेक देशों में हो गया है। यह भारत को जोड़ने का काम करती है।

(आ) राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से हिन्दी महत्वपूर्ण भाषा है। इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

ज : भारत में अनेक भाषाएँ हैं। लेकिन हिन्दी सभी सीखते हैं। हिन्दी हिंदीतर क्षेत्र के लोग भी बड़े चाव से सीखते हैं। यह भारतीय लोगों को एक सूत्र में बाँधती है। अतः भारत में एकता की प्रतीक हिन्दी है। अनेक संस्थाएँ हिन्दी के प्रचार व प्रसार में जुटी हैं। बैंक, मीडिया, फिल्म, उद्योग आदि क्षेत्रों में हिन्दी की उपयोगिता बढ़ी है। आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का महत्वपूर्ण स्थान है। अतः वैश्वीकरण की दृष्टि से हिन्दी महत्वपूर्ण भाषा है।

(इ) 'हिन्दी भाषा' पर एक छोटा सा निबंध लिखिए।

ज : भारत की स्वतंत्रता में हिन्दी का महत्वपूर्ण स्थान रहा। एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के लिए भाषा की ज़रूरत होती है। उस समय इस दायित्व को हिन्दी भाषा बखूबी निभाया। महात्मा गाँधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में इस भाषा को हथियार के रूप में अपनाया गया। हिन्दी ने हमारा संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भारतीयों की साँसों में बसी भाषा है। यह हम सबकी संस्कृति, सभ्यता व गरिमा का प्रतीक है। इसके साहित्य में भारतीय सांस्कृतिक तत्वों का भंडार है। भारत में अनेक भाषाएँ हैं। लेकिन हिन्दी ही देश को जोड़ने वाली कड़ी है। हिन्दी भाषा को भारत के अधिकतर लोग जानते हैं। इसकी लिपि देवनागरी है। इसका प्रसार अब विश्व के अनेक देशों में हो गया है। अनेक संस्थाएँ हिन्दी के प्रचार व प्रसार में जुटी हैं। बैंक, मीडिया, फिल्म, उद्योग आदि क्षेत्रों में हिन्दी की उपयोगिता बढ़ी है। आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी का महत्वपूर्ण स्थान है। अतः वैश्वीकरण की दृष्टि से हिन्दी महत्वपूर्ण भाषा है।

(ई) मनोरंजन की दुनिया में हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालिए।

ज : हिन्दी प्रत्येक क्षेत्र में विकसित है। मनोरंजन के क्षेत्र में हिन्दी ने अद्भुत विकास किया है। हिन्दी के गीत, संगीत व साहित्य भारत ही नहीं, बल्कि विश्व भर में अपनी धूम मचाए हुए हैं। अनुवाद और डबिंग के माध्यम से हिन्दी साहित्य व संगीत का मनोरंजन संसार के कोने-कोने में पहुँच रहा है। टेलीविजन पर भी हिन्दी दर्शकों की संख्या बढ़ी है।

भाषा की बात : (अ) कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. भाषा , समाधान , संकल्प (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **भाषा :** हिन्दी मेरी प्रिय भाषा है। **पर्यायवाची शब्द :** वाणी, बोली।
2. **समाधान :** मेहनत सभी समस्याओं का समाधान है। **पर्यायवाची शब्द :** हल।
3. **संकल्प :** मैंने हिन्दी प्रचार का संकल्प लिया है। **पर्यायवाची शब्द :** निश्चय।

2. एकता , स्वदेश , प्राचीन (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **एकता** X अनेकता **वाक्य प्रयोग :** अनेकता में **<u>एकता</u>** के दर्शन भारत में होते हैं।
2. **स्वदेश** X विदेश **वाक्य प्रयोग :** भारत मेरा **<u>स्वदेश</u>** है।
3. **प्राचीन** X नवीन **वाक्य प्रयोग :** भारत **<u>प्रचीन</u>** देश है।

3. परीक्षा , संस्था , दिशा (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **परीक्षा** – परीक्षाएँ **वाक्य प्रयोग :** जीवन एक **<u>परीक्षा</u>** है।
2. **संस्था** – संस्थाएँ **वाक्य प्रयोग :** रेडक्रास एक सामाजिक **<u>संस्था</u>** है।
3. **दिशा** – दिशाएँ **वाक्य प्रयोग :** उस **<u>दिशा</u>** में खतरा है।

(आ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. सकुशल , अनुक्रम , अनुचित **(उपसर्ग पहचानिए।)** **ज : सकुशल – स , अनुक्रम – अनु , अनुचित – अन**

2. वार्षिक , खुशी , भारतीय **(प्रत्यय पहचानिए।)** **ज : वार्षिक – इक , खुशी – ई , भारतीय – ईय**

3. देश <u>को</u> एकता <u>के</u> सूत्र <u>में</u> बाँधने <u>के लिए</u> एक भाषा <u>की</u> आवश्यकता हुई। **(कारक पहचानिए।)**

को – कर्म कारक विभक्ति , **के –** संबंध कारक विभक्ति , **में –** अधिकरण कारक विभक्ति , **के लिए –** संप्रदान कारक विभक्ति , **की –** संबंध कारक विभ्कित।

(इ) सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. सलाह , सरकार , संविधान , संस्कृति , समाधान (लिंग की पहचान कीजिए।)

ज : पुलिंग शब्द – संविधान , समधान। **स्त्रीलिंग शब्द –** सलाह , सरकार , संस्कृति।

2. जो विश्व के सभी देशों से जुड़ा हो (एक शब्द में लिखिए।) **ज :** वैश्विक, अंतर्राष्ट्रीय।

3. अद्वितीय (अनेक शब्दों में लिखिए) **ज :** जिसकी तरह कोई दूसरा न हो।

(ई) नीचे दिये गये वाक्य रचना की दृष्टि से समझिए।

1. मुझे पूरा विश्वास है कि तुम हिन्दी से अपना भविष्य बनाओगे। **ज :** तुम हिन्दी से अपना भविष्य बनाने का मुझे पूरा विश्वास है।

2. जो जानकारी दी गयी है उसे समझिए। **ज :** यह एक मित्र वाक्य है।

3. तुमने पूछा कि हिन्दी का क्या महत्व है ? **ज :** तुमने हिन्दी के महत्व के बारे में पूछा है।

परियोजना कार्य :

'इस पुस्तक के पहले पाठ से पाँचवें पाठ तक आये चित्रों में अपने मनपसंद चित्र का चयन कीजिए और उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए। उसका प्रदर्शन कक्षा में कीजिए। **ज :** मुझे चौथे पाठ ' कण-कण का अधिकारी में आए चित्र बहुत पसंद आया। कक्षा में प्रदर्शनार्थ उसका चयन किया गया। चार आदमी और दो औरतें चित्र में हैं। ये सभी किसान और श्रमिक हैं। ये कार्यरत है। इनके बिना, जीवन व्यर्थ है। इसलिए वे हमारे अन्नदाता और सुखदाता है।

उपवाचक दो कलाकार (कहानी) लेखक : मन्नू भंडारी

शब्दार्थ : **झकझोरना** = కుదుపుట, ఎక్కువ ఊపుట; **खिजलाना** = విసుగుచెందుట; **गलतफहमी** = దురభిప్రాయము; **गड़ाना** = గుచ్చుట; **ट्रैम**

= ట్రామ్ కారు; **घनचक्कर** = మూర్ఖుడు; **चौकीदार** = పహారావాడు; **चपरासी** = నౌకరు; **तूली** = కుంచె; **इंतहा** = అంతము; **थमना** = ఆగిపోవుట; **छलकाना** = కార్చుట; **स्वयंसेवक** = కార్యకర్త; **हड़बड़ाना** = తడబడుట; **शोहरत** = కీర్తి; **कगार** = కీర్తి అనే ఎత్తైన అంచు, ఎత్తైన ఒడ్డు; **परि** = అప్సరస; **ओझल** = కనుమరుగగుట.

प्रश्न :

1. अरुणा व चित्रा दोनों के स्वभाव के बारे में अपने विचार बताइए। ज : अरुणा एक अच्छी खास लडकी है। वह हर समय दूसरों की मदद करने के लिए ही सोचती थी। गरीबों को पढ़ाने में, रोगियों को इलाज करने में, जरूरत मन्दों की सहायता करने में अपना समय बिताती थी। उसके मन में ममत्व, प्रेम, अनुराग, दया और सेवा आदि स्वभाव कूट-कूट कर भरे हुए हैं।

चित्रा एक धनवान की इकलौती बिटिया थी। उसके मन में भी ममत्व, प्रेम, अनुराग, दया और सेवा आदि भावनाएँ थी। पर अपनी सारी भावनाओं को अपनी '' कला '' के द्वारा दिखाती थी। अपने को प्रेरित करनेवाले सारे दृश्यों को वह चित्रों के रूप में बना देती थी।

2. चित्रा ने विदेश जाकर क्या किया ? आप के विचार में उसका विदेश जाना सही था ? क्यों ? ज : चित्रा विदेश जाकर अपनी कला पर पूरा ध्यान दिया। वह तन - मन से अपने काम में जुट गयी। मेरे विचार में उसका विदेश जाना सही था क्यों कि विदेश में ही उसके चित्रों की अच्छी जान-पहचान हुई। विदेश में रहने की वज़ह से ही भारत में भी उसका आदर सम्मान हुआ। उसके चित्र केलिए प्रदर्शिनी भी रखी गयी। विदेश जाने से पहले उसका नाम कोई जानता भी नहीं था लेकिन जब वह विदेश से आयी तब पूरा भारत उसका सलाम किया। इसलिए मेरे राय में उसका विदेश जाना सही था।

3. अरुणा की ममता पर अपने विचार बताइए। ज : अरुणा की ममता एक महासागर से कम नहीं थी। उसके हृदय में ममता, प्रेम, अनुराग, सेवा, त्याग आदि भावनाएँ कूट-कूट कर भरे हुए थे। एक बार बाढ आने से बाढ पीडितों की मदद करने के लिए एक स्वयंसेवक बनकर प्रन्द्रह दिन तक हास्टल छोड़कर चली गयी। जब एक भिखारिन अपने बच्चों को अकेले छोड़कर हैज़े की भेंट हो गयी तो उसने दोनों बच्चों को गोद लिया। इस प्रकार की लडकियाँ आजकल बहुत कम पायी जाती हैं।

7. भक्ति पद (कविता) **लेखक : रैदास, मीराबाई**

शब्दार्थ : (1) **चंदन** = గంధము; **जाकी** = ఎవరియొక్క; **अँग-अँग** = ప్రతి అవయవమూ; **बास** = సుగంధము; **समानी** = దూరుట; **घन** = మేఘాలు; **बन** = అడవి; **मोर** = నెమలి; **चितवति** = కనిపించును; **चंद्र चकोर** = చంద్రుడు, చకోరపక్షి; **मोती** = ముత్యం; **धागा** = దారం; **स्वामी** = యజమాని; **दासा** = సేవకుడు; **भक्ति** = పూజ; **कर** = చేస్తాడు.

(2) **पायो** = పొందాను; **म्हें** = నేను; **धन पायो** = ధనం పొందాను; **वस्तु** = వస్తువులు; **अमोलक** = అమూల్యమైన; **म्हारे** = నా యొక్క; **किरपा** = దయ; **अपनायो** = స్వీకరించుట; **जनम-जनम** = అన్ని జన్మలలో; **जग** = ప్రపంచము; **सभी खोवायो** = అంతా కోల్పోవుట; **खरच** = ఖర్చు; **न लूटै** = దోచుకోలేనిది; **दिन-दिन बढ़त सवाया** = రోజు రోజుకి పెరుగుట; **सत** = వాస్తవం; **खेवटिया** = నావికుడు; **गिरिधर** = శ్రీకృష్ణుడు; **हरख-हरख** = ఆనందం; **जस पाया** = కీర్తి లభించును.

प्रश्न :

1. प्रभु के प्रति रैदास की भक्ति कैसी है ? **ज :** प्रभु के प्रति रैदास की भक्ति समर्पण भाव की है।
2. कवि ने अपने आप को मोर क्यों माना होगा ? ज : मोर बादल को देखकर नाचने लगता है। कवि भी ईश्वर भक्ति में झूमना चाहता है।
3. संत किसे कहते हैं ? **ज :** जो लोग ईश्वर की भक्ति में सच्चे मन से लीन रहते हैं वे संत कहलाते हैं।
4. श्रीकृष्ण के प्रति मीरा की भक्ति कैसी है ? **ज :** श्रीकृष्ण के प्रति मीरा की भक्ति माधुर्यभाव की है।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया : (अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. रैदास व मीरा की भक्ति भावना में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए। ज : रैदास की भक्ति भावना समर्पण भाव की थी। मीरा की भक्ति भावना माधुर्य भाव की थी।

2. हमारे जीवन में भक्ति भावना का क्या महत्व है ? चर्चा कीजिए। ज : हमारे जीवन में भक्ति भावना का बहुत महत्व है। भक्ति से मनुष्य व समाज में अच्छे गुणों का विकास होता है। समाज में शांति की स्थापना होती है।

(आ) पंक्तियाँ उचित क्रम में लिखिए।

ज : 1. प्रभुजी, तुम पानी हम चंदन। **ज :** प्रभुजी, तुम चंदन हम पानी।
2. मीरा के प्रभु नागर गिरिधिर, हरख-हरख पायो जस ॥ **ज :** मीरा के प्रभु गिरिधिर नागर, हरख-हरख जस पायो ॥

(इ) नीचे दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

1. सत की नाँव खेवटिया सतगुरु, भवसागर तर आयो। ज : जीवन रूपी सत्य की नाव के केवट सतगुरु हैं। वे हमें जीवनरूपी भवसागर पार उतरते हैं।

2. प्रभुजी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी। ज : हे प्रभुजी ! तुम चंदन हो तो मैं पानी हूँ। चंदन की तरह ही आपके अंग-अंग में सुगंध है।

(ई) पद्यांश पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

ज : 1. अ 2. अ 3. इ 4. अ 5. इ

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. रैदास जी ने ईश्वर की तुलना चंदन, बादल और मोती से की है। आप ईश्वर की तुलना किससे करना चाहेंगे ? और क्यों ?
ज : मैं ईश्वर की तुलना ज्ञान से करना चाहूँगा। क्यों कि ज्ञान के द्वारा हम अपना विकास करते हैं और अच्छी आदतें सीखते हैं। ईश्वर अच्छी आदतों में जी बसते हैं।

2. मीरा की भक्ति भावना कैसी है ? अपने शब्दों में लिखिए। ज : मीरा कृष्णभक्ति शाखा की कवइत्री थी। उनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। भगवान को पति मानकर पूजा करना एक परंपरा है। मीरा भगवान कृष्ण को पति मानकर अपने को समर्पित किया। इसी कारण उनकी भक्ति को माधुर्य भाव से प्रेरित माना जाता है।

(इ) भक्ति भावना से संबंधित छोटी-सी कविता का सृजन कीजिए।

ज : राम हो अथवा रहीम
ईसा हो अथवा ईश
भगवान के नाम अनेक,
दिखाता राह हरेक
भव-सागर तरने की राह।

(ई) भक्ति और मानवीय मूल्यों के विकास में भक्ति साहित्य किस प्रकार सहायक हो सकता है ?

ज : भक्ति और मानवीय मूल्य एक दूसरे के पूरक है। भक्ति से ही मानवीय मूल्यों की स्थापना होती है। भक्ति साहित्य रचना का उद्देश्य ही लोगों को भक्ति मार्ग पर लाकर समाज में मानवीय मूल्यों की स्थापना करना है।

पाठ का सारांश :

1. पहले चौपाइयों के रचयिता रैदास जी हैं। वे मीराबाई के गुरु माने जाते हैं। प्रस्तुत चौपाइयाँ भक्ति भाव से गायी गयी हैं। कवि कहते हैं– हे प्रभु ! तुम चंदन हो तो मैं पानी हूँ। चंदन की तरह ही आपके अंग-अंग में सुगंध है। हे प्रभु ! तुम बादल हो तो मैं मोर हूँ, जो आपको देख नाचने लगता है। जिस प्रकार चाँद और चकोर एक-दूसरे के प्रति समर्पित दिखाई देते हैं, उसी प्रकार मैं तुम्हारे प्रति समर्पित हूँ। प्रभुजी ! तुम माला का मोती और मैं उसका धागा हूँ। आपसे मिलने पर ही मेरी सुंदरता बढ़ती है, जैसे सोने पर सुहागा हो। हे प्रभुजी ! तुम स्वामी हो मैं आपका सेवक हूँ। इस प्रकार की भक्ति मैं आपको समर्पित करता हूँ।

2. प्रस्तुत पद की रचयिता मीराबाई हैं वे कृष्णभक्ति शाखा की कवइत्री थी। प्रस्तुत कविता में वे गुरु की महिमा का गुणगान किया है। मीरा कहती है कि मेरे गुरु ने मुझे भक्ति रूपी धन दिया। वह धन रामरूपी रत्न के समान है। मेरे गुरु को मुझपर विशेष कृपा है जो उन्होंने मुझे अपनी शिष्या के रूप में स्वीकार किया। मैं ने संसार में सबकुछ खोकर जन्म-जन्म की पूँजी प्राप्त कर ली। मेरे गुरु ने जो अमूल्य धन, ज्ञान के रूप में मुझे दिया वह कभी खत्म नहीं होता। यह खर्च करने से भी खर्च नहीं होता। इसे कोई चोरी भी नहीं कर सकता। यह दिन-प्रतिदिन बढ़ता जाता है। मीरा कहती हैं कि जीवन सत्य की नाव के समान है। इसके केवट मेरे सतगुरु हैं। उन्होंने मुझे भवसागर से पार उतार दिया। वे कहती हैं कि मेरे प्रभु गिरधर नागर हैं। मैं उनके सामने अपने गुरु का यश खुशी से झूम-झूम कर गा रही हूँ।

भाषा की बात :

(अ) सूचना पढ़िए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. प्रभु , पानी , चंद्र (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **प्रभु :** मेरे **प्रभु** निराकार परब्रह्मा है। **पर्यायवाची शब्द :** ईश्वर, ईश, दीनबंधु
2. **पानी :** **पानी** जीवन का मूलाधार है। **पर्यायवाची शब्द :** वारि, जल, नीर।
3. **चंद्र :** रात में **चंद्र** चाँदिनी बरसता है। **पर्यायवाची शब्द :** चाँद, राकेश, शशि

2. स्वामी , गुरु , दिन (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **स्वामी** x दास **वाक्य प्रयोग :** वह इस घर का **स्वामी** है।
2. **गुरु** x शिष्य **वाक्य प्रयोग :** मीरा के **गुरु** रैदास थे।
3. **दिन** x रात **वाक्य प्रयोग :** हमें **दिन** में नहीं सोना चाहिए।

3. चदंन , सबी , भक्ति (वर्तनी सही कीजिए।) ज : 1. **चंदन** , 2. **सभी** , 3. **भक्ति**

(आ) सूचना पढ़िए। उसके अनुसार कीजिए।

1. बन , रतन , किरपा **(तत्सम रूप लिखिए।)** **ज : बन –** वन , **रतन –** रत्न , **किरपा –** कृपा
2. जग , नाँव , अमोलक **(अर्थ लिखिए।)** **ज : जग –** संसार , **नाँव –** नाव , **अमोलक –** अमूल्य

(इ) वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

1. मोती सागर में मिलता है। ज : **मोती** सागर में मिलते हैं।
2. धागे से माला बनती है। ज : धागे से **मालाएँ** बनती हैं।
3. मोर सुंदर पक्षी है। ज : **मोर** सुंदर पक्षी हैं।

(ई) 1. नीचे दिया गया उदाहरण समझिए। पाठ के अनुसार उचित शब्द लिखिए।

1. **चंदन**
हे प्रभुजी ! तुम **घन**
मोती
स्वामी

2. **पानी**
हे प्रभुजी ! हम **मोरा**
धागा
दासा

2. कविता में प्रयुक्त होने वाले वर्ण, मात्रा, यति आदि के संगठन को छंद कहते हैं। यदि गद्य का नियामक व्याकरण है, तो कविता का छन्दशास्त्र। छंद के चार भेद और आठ अंग होते हैं।

लघु : 1. अ, इ, उ– इन ह्रस्व स्वरों तथा इनसे युक्त एक व्यंजन या संयुक्त व्यंजन को ' **लघु** ' समझा जाता है। इस का मात्रा चिन्ह हुआ–' ।' **2.** चन्द्रबिन्दुवाले ह्रस्व स्वर भी लघु होते हैं। जैसे–हँ।

गुरु : 1. आ, ई, ऊ और ऋ इत्यादि दीर्घ स्वर और इनसे युक्त व्यंजन गुरु होते हैं। **2.** ए, ऐ, ओ, औ– ये संयुक्त स्वर और इनसे मिले व्यंजन भी गुरु होते हैं। **3.** अनुस्वारयुक्त वर्ण गुरु होता है। लेकिन चन्द्रबिन्दुवाले वर्ण गुरु नहीं होते। **4.** विसर्गयुक्त वर्ण भी गुरु होता है। **5.** संयुक्त वर्ण के पूर्व का लघु वर्ण गुरु होता है। इस का मात्रा चिन्ह हुआ–' s'

गण : मात्राओं और वर्णों की गणना को ' **संख्या** ' और ' लघु-गुरु के स्थाननिर्धारण को ' **क्रम** ' कहते हैं। मात्राओं और वर्णों की ' **संख्या** ' और ' **क्रम** ' की सुविधा के लिए तीन वर्णों का एक-एक गण मान लिया गया है। इन गणों की संख्या **आठ** है। वे हैं– **1.** यगण (।ss), **2.** मगण (sss), **3.** तगण (ss।), **4.** रगण (s।s), **5.** जगण (।s।), **6.** भगण (s।।), **7.** नगण (।।।), **8.** सगण (।।s) आदि। इनके ही उलटफेर से छन्दों की रचना होती है।

चौपाई : चौपाई का अर्थ चार पादोंवाला है। यह मात्रिक सम छन्द है। हर एक चरण (पाद) में सोलह मात्राएँ होती है। चरण के अन्त में जगण (।S।), तगण (SS।) और गुरु-लघु (S।) नहीं होना चाहिए। तुक पहले चरण की दूसरे से और तीसरे की चौथे से मिलती है।

8. स्वराज्य की नींव (एकांकि) लेखक : विष्णु प्रभाकर

शब्दार्थ : **अंकित** = ముద్రవేయబడిన; **अवस्था** = స్థితి; **मंज़िल** = లక్ష్యము; **क्षण** = క్షణం; **मार्ग** = దారి; **जूझना** = పోరాడు; **नाविक** = నావికుడు; **क्षितिज** = ఆకాశం; **धूम** = పొగ; **प्रलय** = ప్రళయం; **ऐश** = భోగవిలాసము; **मशकूल** = పనిలో లీనమైన; **आवेश** = ఆవేశం; **सहसा** = అకస్మాత్తుగా; **प्रतिज्ञा** = ప్రతిజ్ఞ; **छुआछूत** = అస్పృశ్యత; **बलिदान** = త్యాగం; **नींव का पत्थर** = ఆధారంగా; **बनना** = అవుట; **दुत्कारना** =చీవాట్లు పెట్టడం; **ठोकर** = దెబ్బ; **शंका** = అనుమానం; **आज्ञा** = ఆజ్ఞ; **व्यग्र** = సహనంలేని; **फटकारना** = తిట్టడం; **कलंक** = మచ్చ; **रणभूमि** = యుద్ధభూమి; **श्रीसंड** = రుచికరమైన తీపివంటకం.

प्रश्न :

1. लक्ष्मीबाई किससे बातें कर रही हैं ? **ज :** लक्ष्मीबाई अपनी सखियाँ जूही और मुंदर से बातें कर रही हैं।

2. उन्हें किस बात की चिंता सता रही है ? **ज :** स्वतंत्रता की लड़ाई में झान्सी, लक्ष्मीबाई के हाथसे निकल गई। पर लक्ष्मीबाई ने प्रतिज्ञा की थी कि अपनी झान्सी नहीं दूँगी। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है।

3. लक्ष्मीबाई तात्या से क्यों नाराज़ थी ? तात्याने उन्हें क्या आश्वासन दिया ? **ज :** तात्या रघुनाथराव के सेनापति थे। राव साहब विलासिता में व्यस्त हैं। तात्या उनका साथ दे रहे हैं। सेना में अनुशासन की कमी है। इस कारण लक्ष्मीबाई तात्या से नाराज़ थीं। तात्या ने रानी को हार होने की स्थिति में सेना को सुरक्षित निकलने का आश्वासर दिया।

4. लक्ष्मीबाई साहसी नारी थी ? उदाहरण के द्वारा सिद्ध कीजिए। **ज :** लक्ष्मीबाई साहसी नारी थी। यह उनके इन वाक्यों से सिद्ध होता है– '' तात्या, मेरा मन कहता है कि यह मेरे जीवन का अंतिम युद्ध है। जीत हो या हार, मुझे किसी बात की चिंता नहीं। चिंता केवल इस बात की है, हमारी वीरता कलंकित न होने पाये।''

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. मार्ग में हिमालय के अड़ने, डरावनी लहरों के थपेड़े मारने, नाविकों के सो जाने से क्या अभिप्राय है ? **ज :** मार्ग में हिमालय अड़ने का मतलब है कि रास्ते में बहुत बड़ी रुकावट आना। डरवानी लहरों के थपेड़े मारने का अभिप्राय यहाँ युद्धभूमि में मिल रही बुरी खबरों से है। नाविकों के सो जाने से अभिप्राय है कि जिन लोगों पर मुख्य जिम्मेदारी है वे ही गैरजिम्मेदार हो गए हैं।

2. यह एकांकी सुनने के बाद उस समय की किन परिस्थितियों का पता चलता है ? **ज :** यह एकांकी सुनने के बाद इन परिस्थितियों का पता चलता है कि भारत के राजाओं में एकता नहीं थी। वे विलासिता में डूबे थे। अँग्रेज़ भारत पर अधिकार करते जा रहे थे।

(आ) पाठ पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ज : **1. तात्या कौन थे ?** **ज :** तात्या रघुनाथराव के सेनापति थे। वे वीर एवं स्वामिभक्त थे। वे जूही के स्वामी थे।

2. बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मी बाई से क्या कहा था ? **ज :** बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था– '' जब तक हमारे समाज में छुआछूत और ऊँच-नीच का भेद नहीं मिट जाता, जब तक हम विलासप्रियता को छोड़कर जनसेवक नहीं बन जाते, तब तक स्वराज्य नहीं मिल सकता। वह मिल सकता है केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से।''

3. रानी लक्ष्मीबाई ने क्या प्रतिज्ञा की थी ? **ज :** रानी लक्ष्मीबाई ने अपने प्राण रहते झाँसी अँग्रेज़ों को न देने की प्रतिज्ञा की थी।

4. जूही तात्या का पक्ष क्यों लेती है ? **ज :** जूही तात्या को अपने स्वामी मानती है। इसलिए तात्या का पक्ष लेती है।

(इ) पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।

1. स्वराज्य प्राप्ति से बढ़कर है स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पत्थर बनना। **ज :** स्वराज्य को प्राप्त करना उत्तम हैं। यदि स्वराज्य की प्राप्ति की लड़ाई में वीरगति प्राप्त हो अन्य वीरों व देशभक्तों को स्फूर्तिदायक बनना सर्वोत्तम है। यही इसका आशय है।

2. शंकाएँ अविश्वास पैदा करेंगी और उस अविश्वास से उत्पन्न निराशा को दूर करने के लिए पायल की झंकार और भी झलक उठेगी।
ज : यदि आदमी में संदेह हो, तो वह अविश्वास को उत्पन्न करेगा। उस अविश्वास से निराशा पैदा होगी। उस निराशा को मिटने के लिए भोग-विलास की आवश्यकता है। यही इसका आशय है।

(ई) गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यहाँ किसके बारे में बताया गया है ? **ज :** यहाँ भारतीय महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों के बारे में बताया गया है।

2. अनुच्छेद 15(1) में क्या बताया गया है ? **ज :** अनुच्छेद 15(1) में यह कहा गया है कि– राज्य द्वारा कोई भेदभाव नहीं करना है।

3. किस अनुच्छेद के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतना की बात कही गयी है ? **ज :** अनुच्छेद 39(घ) में महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतना की बात कही गयी है।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. एकांकी के आधार पर बताइए कि ' स्वराज्य की नींव ' का क्या तात्पर्य है ? **ज :** स्वराज्य की प्राप्ति की लड़ाई में यदि सफलता नहीं हुई तो मर मिटकर उसे प्राप्त करने के लिए दूसरों को स्फूर्ति देना ही ' स्वराज्य की नींव ' का तात्पर्य है।

2. महारानी लक्ष्मीबाई का कौनसा कथन तुम्हें अच्छा लगा ? क्यों ? **ज :** महारानी लक्ष्मीवाई का यह कथन मुझे बहुत अच्छा लगा– '' तात्या, मेरा मन कहता है कि यह मेरे जीवन का अंतिम युद्ध है। जीत हो या हार, मुझे किसी बात की चिंता नहीं। चिंता केवल इस बात की है, हमारी वीरता कलंकित न होने पाये।''

(आ) वीरांगना लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्भुत मिसाल थीं ? स्पष्ट कीजिए।

ज : वीरांगना लक्ष्मीबाई स्वराज्य-प्राप्ति के लिए जूझती हैं। वे कहते हैं, अब देशभक्तों की आवश्यकता है। नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो। हमें स्वराज्य लेना है। हमें रणभूमि में मौत से जूझना है। सीधे युद्ध भूमि में जाते समय कहती हैं कि– स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे। वे सचमुच देशभक्ति एवं राष्ट्र प्रेम की एक अद्भुत मिसाल थी।

(इ) ' स्वराज्य की नींव ' एकांकी को अपने शब्दों में कहानी के रूप में लिखिए।

ज : वह अँग्रेज सरकार द्वारा हिन्दुस्थान के राज्यों को हड़पने का समय है। राज्यों के राजा लोग भोग-विलास में डूब जाते हैं। उनमें एकता, सहकारिता की भावना नहीं है। दूसरी ओर महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिज्ञा करती है कि मैं जिंदा होने तक अपनी झाँसी नहीं दूँगी। लेकिन झाँसी हाथ से निकल गई। वह अकेली ही लड़कर झाँसी

लेकर रहना चाहती है। उसकी सहेली जूही उसके साथ देती है। मुंदर भी साथ देती है। तात्या पहले असावधानी का व्यवहार करता है। लेकिन बाद में लक्ष्मीबाई का साथ देने को तैयार होता है। इसके पहले रघुनाथराव आकर लक्ष्मीबाई को समाचार देता है कि जनरल रोज़ ने मुरार में पेशवा को हरा दिया। लक्ष्मीबाई तुरंत कहती है कि रोज़ ग्वालियर का किला नहीं ले सकेगा। वह कूच के लिए तैयार होने के लिए रघुनाथराव को आज्ञा देती है। महारानी तात्या को लक्ष्य करके कहती है '' अब स्वामि भक्त नहीं, देशभक्तों की आवश्यकता है। अब भी आशा है। नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो। हमें स्वराज्य लेना हैं। हमें रणभूमि में मौत से जूझना है। हमारी वीरता कलंकित न होने पाए।'' तब तात्या जवाब देता है कि बाई साहब वीरता आप को पाकर धन्य है। अंत में रानी सीधे युद्ध भूमि में जाते हुए आदेश देती है कि देर न लगाना और कहती है कि– और हम सब मिलकर या तो स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे।

(ई) साहस, वीरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के महत्व पर दो-दो वाक्य लिखिए।

ज : साहस : साहस सफलता की पहली आवश्यकता है। साहस न होने पर मनुष्य कभी यश की प्राप्ति नहीं कर सकता।

वीरता : वीरता का जन्म साहस से ही होता है। वीरता ही मनुष्य का सबसे उज्ज्वल गुण है।

आत्मविश्वास : इसके अभाव में व्यक्ति किसी कार्य में सफल नहीं हो सकता। यह गुण कठिन काम को भी सरल बना देता है।

आत्मनिर्भरता : आत्मनिर्भर व्यक्ति को ही समाज में सम्मान मिलता है। समस्त उन्नति का मूल आत्मनिर्भरता है।

भाषा की बात : (अ) सूचना पढ़िए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. नारी , मित्र , प्रेम (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **नारी :** **<u>नारी</u>** का सम्मान करना चाहिए। — **पर्यायवाची शब्द :** स्त्री, औरत, अबला।
2. **मित्र :** वह मेरा सबसे अच्छा **<u>मित्र</u>** है। — **पर्यायवाची शब्द :** दोस्त, मीत, साथी।
3. **प्रेम :** मैं अपने देश से बहुत **<u>प्रेम</u>** करता हूँ। — **पर्यायवाची शब्द :** प्यार, प्रीति, प्रणय।

2. असफलता , विश्वास (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **असफलता** X सफलता — **वाक्य प्रयोग : <u>असफलता</u>** से निराशा नहीं होना चाहिए।
2. **विश्वास** X अविश्वास — **वाक्य प्रयोग :** स्वयं पर **<u>विश्वास</u>** रखो।

3. शंका , किला , सूचना (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)

1. **शंका** – शंकाएँ — **वाक्य प्रयोग :** अध्यापक विद्यार्थियों की हर **<u>शंका</u>** दूर करते हैं।
2. **किला** – किले — **वाक्य प्रयोग :** गोलकोंडा एक पुराना **<u>किला</u>** है।
3. **सूचना** – सूचनाएँ — **वाक्य प्रयोग :** प्रश्न की **<u>सूचना</u>** के अनुसार उत्तर देना चाहिए।

(आ) सूचना पढ़िए। उसके अनुसार कीजिए।

1. स्वराज्य , निराशा **(उपसर्ग पहचानिए।) ज : स्व , निर्** 2. वीरता , ऐतिहासिक **(प्रत्यय पहचानिए।) ज : ता , इक**

(इ) उदाहरण देखिए। उसके अनुसार वाक्य बदलिए।

उदा : राजू पुस्तक पढ़ता है। – राजू से पुस्तक पढ़ी जाती है। **1.** लड़का भोजन करता है – लड़के से भोजन किया जाता है।

2. रानी ने आज्ञा दी। – रानी से आज्ञा दी जाती है। **3.** लक्ष्मीबाई ने जूही से कहा। – लक्ष्मीबाई द्वारा जूही से कहा गया।

(ई) रेखांकित शब्दों के स्थान पर नीचे दिये गये एक-एक शब्द का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

कक्षा में एक <u>लड़का</u> आया। सब <u>लड़के</u> कक्षा में पहुँच चुके थे। <u>लड़कों</u> में अनुशासन बना था।

1. कक्षा में एक **<u>लड़की</u>** आयी। सब **<u>लड़कियाँ</u>** कक्षा में पहुँच चुकी थीं। **<u>लड़कियों</u>** में अनुशासन बना था।

2. कक्षा में एक **<u>छात्र</u>** आया। सब **<u>छात्र</u>** कक्षा में पहुँच चुके थे। **<u>छात्रों</u>** में अनुशासन बना था।

3. कक्षा में एक **<u>छात्रा</u>** आयी। सब **<u>छात्राएँ</u>** कक्षा में पहुँच चुकी थीं। **<u>छात्राओं</u>** में अनुशासन बना था।

4. कक्षा में एक **<u>बालक</u>** आया। सब **<u>बालक</u>** कक्षा में पहुँच चुके थे। **<u>बालकों</u>** में अनुशासन बना था।

5. कक्षा में एक **<u>बालिका</u>** आई। सब **<u>बालिकाएँ</u>** कक्षा में पहुँच चुकी थीं। **<u>बालिकाओं</u>** में अनुशासन बना था।

9. दक्षिणी गंगा गोदावरी (यात्रा-वृत्तांत) **लेखक : काका कालेलकर**

शब्दार्थ : **सूर्योदय** = సూర్యోదయం; **छटा** = శోభ; **हरियाली** = పచ్చదనము; **नहर** = కాలువ; **किनारा** = ఒడ్డు; **नौका** = పడవ; **गहराई** = మిక్కిలిలోతైన; **अथाह** = లోతు; **खामोश** = నిశ్శబ్దముగా; **अभिनंदन** = స్వాగతం; **उमंग** = పారవశ్యము; **उधेड़-बुन** = సందిగ్ధావస్థ; **विशाल** = పెద్దదైన; **प्रवाह** = నీటిప్రవాహము; **शान-शौकत** = తళుకుబెళుకు; **निराली** = విచిత్రమైన; **ठाट-बाट** = ఆడంబరం; **श्रेणियाँ** = వరుసలు; **साँवला** = శ్యామలవర్ణము; **स्निग्धता** = మృదుత్వము; **धौले-धौले** = తెల్లతెల్లని; **विपत्ति** = ఆపద; **स्वभाव** = స్వభావం; **उपमा** = పోలిక; **भँवर** = సుడిగుండం; **दरमियान** = మధ్య; **टापू** = ద్వీపం; **बगुला** = కొంగ; **अनुकरण** = అనుకరణ; **अखंड** = ఖండింపవీలులేనిది; **पूर्व स्मृति** = జ్ఞాపకాలు; **उपासना** = పూజ; **रौनक** = సొగసు; **उपासक** = భక్తుడు; **सरिता** = నది; **उँड़ेलना** = వంచిపోయుట; **सरित्पति** = సముద్రము; **घबराहट** = గాభరా; **उदात्त** = దయగల; **किस्म** = రకము; **कुदरत** = ప్రకృతి; **दर्शन** = కన్పించుట; **अल्हड़पन** = దుడుకుతనంగల; **उन्माद** = పిచ్చి; **कलगी** = పక్షిఈక; **षड्यंत्र** = కుట్ర; **स्तन्य-पान** = తల్లిపాలు; **अधिष्ठात्री** = సంరంక్షించునది; **पुल** = వంతెన.

प्रश्न :

1. सूर्योदय के समय प्रकृति का वातावरण कैसा दिखायी देता है ? ज : सूर्योदय के समय प्रकृति का वातावरण बहुत सुंदर दिखाई देता है। हवा में शीतलता, सूर्य का आगमन, आकाश में लाली, पक्षियों की चहचहाट आदि सुबह की शोभा बढ़ाते हैं।

2. लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा कि राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान शौकत निराली है ? ज : राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की सुंदरता और भी बढ़ जाती है। वह अनेक भागों में बँटकर बहती है। उसके बीच-बीच में सुंदर टापू हैं। इनपर हरे-भरे पेड़ हैं। घाटों के किनारे मंदिर हैं। जल का अथाह प्रवाह है। इसलिए लेखक ने कहा कि राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान शौकत निराली है।

3. लेखक ने भँवरों को बच्चों की उपमा क्यों दी होगी ? ज : बच्चे अपनी माँ की गोद में खेलते व उछलते हैं। इसी प्रकार भँवर भी नदियों में उछलते-खेलते हैं। उनका स्वभाव भी चंचल बच्चों की तरह ही होता है। इसलिए लेखक ने भँवरों को बच्चों की उपमा दी है।

4. गोदावरी नदी के टापुओं की क्या विशेषताएँ हो सकती हैं ? ज : गोदावरी नदी के टापू प्रसिद्ध हैं। कई तो पुराने धर्म की तरह जहाँ के तहाँ स्थिर रुप होकर जमें हुए हैं। वे कई एक कवि की प्रतिभा की तरह क्षण-क्षण भर में स्थल की नवीनता उत्पन्न करलेते और नया-नया रुप ग्रहण

करते हैं। इनमें बगुले रहते हैं। चलते समय, वे अपने गहरे पद निशान अंकित करते हैं।

5. लेखक ने रेल के पहिये की आवाज़ को' संक्रामक' कहा है। ' संक्रामक' से लेखक का क्या आशय होगा ? **ज :** संक्रामक का अर्थ होता है, जो स्पर्श या संसर्ग से फैलता हो। रेल जब पुल पर चलती है, तब पहियों की आवाज़ बहुत बढ़ती है। पहले पहिए की आवाज़ दूसरे को, दूसरे से तीसरे को, इस क्रम में जल्दी सब पहियों को पहुँचती है। और बढ़ती है, जैसे संक्रामक रोग। इस' संक्रामक ' शब्द से लेखक का यही आशय होगा।

6. गोदावरी को धीर-गंभीर माता की संज्ञा क्यों दी गयी होगी ? **ज :** कोई भी सरिता माता और साधारणतः सरित्पति से मिलते समय त्वरित, विकलित, उत्तेजित और उत्सुक होती है। लेकिन गोदावरी माता की चाल तो ऐसी नहीं हैं। वह दृढ़, शांत मन से मंदगति से उदात्त रूप से अपना पति समुद्र से मिलती है। इसलिए गोदावरी को धीरे-गंभीर माता की संज्ञा दी गई होगी।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया : (अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखक को गोदावरी का जल कैसा लगा होगा। **ज :** लेखक को गोदावरी का जल पवित्र व शीतल लगा होगा। उसे पीकर उसे एक प्रकार की आत्मीय शांति मिली होगी। उसमें उसे भारतीयता की महक आई होगी।

2. लेखक की जगह तुम होते, तो गोदावरी नदी का वर्णन कैसे करते ? बताइए। **ज :** गोदावरी बहुत सुंदर नदी है। उसके किनारे अनेक तीर्थ स्थल हैं। उसके आसपास प्रकृति बहुत ही सुंदर है। उसका कल-कल करता बहता जल मनभावना लगता है। गोदावरी हमें उपदेश देती है कि' ' चरवैति ! चरवैति ! '' चलते रहना - चलते रहना। चलते समय गिर जाएँ तो अच्छी तरह चलना सीखलेते हैं। और आगे विकसित होते हैं।

(आ) पाठ के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में दीजिए। ज : 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. नहीं

(इ) गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विनोबाजी के जीवन का प्रमुख कार्य क्या था ? **ज :** भूदान आंदोलन विनोबाजी के जीवन का प्रमुख कार्य था।

2. बनारस की सभा में गाँधीजी ने क्या कहा ? **ज :** जब तक देश परतंत्र है, तब तक देश गरीब है, ठाट-बाट से रहना पाप है। जब तक देश की जनता दुखी है, आराम से रहना अपराध है।

3. रेखांकित शब्द का वचन बदलकर वाक्य प्रयोग कीजिए। **ज :** सेवा – सेवाएँ – हमें बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए।

4. इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। **ज :** गाँधीजी के सुविचार - विनोबाजी के सदाचार।

(ई) इस अवतरण के मुख्य शब्द पहचानकर लिखिए।

ज : पुल पर से गुज़रना, भागमती गोदावरी, विशाल पाट, बेजवाड़े में कृष्णा, गोदावरी की शान शौकत आदि।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता : (अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. किसी यात्रा का वर्णन करते हुए अपने अनुभवों को प्रस्तुत कीजिए। **ज :** एक बार मैं वरंगल से होकर रामप्पा और लक्नवरम गया। रामप्पा की शिल्प-संपदा अद्भुत है। एक जगह छाया और एक जगह प्रकाश के साथ एक शिल्प विराजित है। लक्नवरम में पहाड़ों के बीचों बीच एक बड़ा झील है। झील में छोटे-छोटे द्वीप हैं। वहाँ लटकने वाला सेतु-बंध हैं। नौका-विहार भी है। नौका-विहार किया। वहाँ मुझे बहुत मज़ा आया।

2. आंध्र को अन्नपूर्ण एवं भारत का धान्यागार कहलाने में नदियों का योगदान व्यक्त कीजिए। **ज :** आंध्र को अन्नपूर्ण एवं भारत का धान्यागार कहलाने में गोदावरी और कृष्णा नदी का विशेष योगदान है। आंध्र प्रदेश में इनपर अनेक बाँध बने हैं। इनके अनेक नहरें निकलती हैं। इनसे लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। इसके कारण आंध्र को अन्नपूर्ण तथा भारत का धान्यागार कहा जाता है।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. चेंनई से राजमहेंद्री जाते समय लेखक की भावनाएँ कैसी थी ? **ज :** चेंनई से राजमहेन्द्री जाते हुए वेजवाड़ा से आगे सूर्योदय हुआ। जहाँ-तहाँ विविध छटावाली हरियाली फैल रही थी। रेल की पटरी के किनारे-किनारे एक नहर बह रही थी। उसमें कतार में खड़ी नौकाएँ थी। बीच-बीच में छोटे-छोटे तालाबों में रंग-बिरंगे बादलों वाले आसमान नहाने के लिए उतरता हुआ दिखाई पड़ रहा था। कहीं-कहीं चंचल कमलों के बीच मौनी बकों को देखकर सबेरे की ठंड़ी-ठंड़ी हवा का अभिनंदन करने को लेखक का मन व्याकुल होने लगा। कोव्वूर पहुँचने पर लेखक के मन में यह उमंग भरी थी कि अब यहाँ से गोदावरी मैया के भी दर्शन होने लगेंगे।

2. लेखक ने गोदावरी को माता की संज्ञा क्यों दी होगी ? **ज :** गोदावरी नदी धीर-गंभीर माता और पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती है। इसके जल में अमोघ शक्ति है। इसके जल के एक कण का सेवन भी व्यर्थ नहीं जाता। राम-लक्ष्मण और सीता से लेकर बूढ़े जटायु तक सबको गोदावरी ने ही स्तन्य-पान कराया है। चतुर्वर्णों की माता है। इसके तट पर शूर-वीर पैदा हुए। बड़े-बड़े तत्वज्ञानी पैदा हुए। साधु-सन्त भी जन्मे। धुरंधर राजनीतिज्ञ और ईश्वर भक्त जन्में। इन सभी कारणों से लेखक ने गोदावरी को माता की संज्ञा दी होगी।

(इ) अपने द्वारा की गयी किसी यात्रा का वर्णन करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखिए।

ज :

हैदराबाद,
7.9.2014.

प्रिय मित्र राजू,

मैं इस पत्र में हमसे की गई विहार-यात्रा का वर्णन करना चाहता हूँ।

पिछले महीने में हम वरंगल से होकर रामप्पा और लक्नवरम गए। रामप्पा की शिल्प-संपदा अद्भुत है। एक जगह छाया और एक जगह प्रकाश के साथ एक शिल्प विराजित है। लक्नवरम में पहाड़ों के बीचों बीच एक बड़ा झील है। झील में छोटे-छोटे द्वीप हैं। वहाँ लटकने वाला सेतु-बंध है। नौका-विहार भी है। हमने नौका-विहार भी किया। वहाँ हमें बहुत मज़ा आया।

माताजी को प्रणाम, छोटे भाई को आशिष।

तुम्हारा मित्र,
xxxxx

सेवा में,

जि. कुमार
२-३-५/२७
रामपल्ली,
कीसरा (मं०),
मेड़चल जिल्ला.

(ई) इस यात्रा-वृत्तांत में लेखक का कौनसा अनुभव आपको अच्छा लगा ? क्यों ?

ज : मुझे लेखक का पुल पर से गुजरते समय का यह अनुभव अच्छा लगा– '' इस जगह पर मैंने जितने भव्य काव्य का या प्रकृति के ठाट-बाट का अनुभव किया, उतना शायद ही कहीं दूसरी जगह किया हो |'' क्योंकि मैंने भी राजमहेंद्री में गोदावरी नदी देखी है | मैं लेखक से पूर्णतः सहमत हूँ | ऐसा लगता है कि लेखक ने मेरे मन की बात अपने यात्रा-वृत्तांत में कही है |

भाषा की बात : (अ) सूचना पढ़िए | वाक्य प्रयोग कीजिए |

1. बरसात , सरिता , पहाड़ (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और पर्याय शब्द लिखिए |)

1. **बरसात : बरसात** के दिनों में छाते की ज़रूरत पड़ती है | **पर्यायवाची शब्द :** वर्षा, बारिश |
2. **सरिता :** गंगा को देव **सरिता** कहा गया है | **पर्यायवाची शब्द :** नदी, सरि |
3. **पहाड़ :** मेघालय **पहाड़ों** का प्रदेश है | **पर्यायवाची शब्द :** पर्वत, गिरि |

2. विजय , प्रसिद्ध, दुर्लभ (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और वाक्य प्रयोग कीजिए |)

1. **विजय** x पराजय **वाक्य प्रयोग :** अपनी कमजोरियों पर **विजय** प्राप्त करो |
2. **प्रसिद्ध** x अप्रसिद्ध **वाक्य प्रयोग :** हैदराबाद की बिरियानी विश्वभर में **प्रसिद्ध** है |
3. **दुर्लभ** x सुलभ **वाक्य प्रयोग :** बिना मेहनत सफलता **दुर्लभ** है |

3. नहर , तितली , कविता, लहर (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए |)

1. **नहर** – नहरें **वाक्य प्रयोग : नहरों** से फसलों की सिंचाई होती है |
2. **तितली** – तितलियाँ **वाक्य प्रयोग :** यह **तितली** रंगबिरंगी है |
3. **कविता** – कविताएँ **वाक्य प्रयोग :** मैं भी **कविता** लिख रहा हूँ |
4. **लहर** – लहरें **वाक्य प्रयोग :** सुनामी में **लहरें** बहुत ऊँची उठती है |

(आ) सूचना पढ़िए | उसके अनुसार कीजिए |

1. सूर्योदय, उन्माद, पवित्र, अत्यंत **(संधि विच्छेद कीजिए |)** **ज :** सूर्य + उदय, उत् + माद, पू + इत्र, अति + अंत |
2. साधु-संत, चरणचिह्न, गंगाजल **(समास बताइए |)** **ज :** साधु और संत(द्वंद्व), चरणों के चिह्न(तत्पुरुष), गंगा का जल(तत्पुरुष)

(इ) इन्हें समझिए |

1. नदी के पानी में उन्माद था, उसमें लहरें न थीं | **ज :** के, में (विभक्ति चिह्न हैं |), उसमें – **वह** (सर्वनाम) + **में** (विभक्ति चिह्न)
2. गोदावरी के प्रवाह के साथ होड़ करते हुए भी उसे संकोच न होता था | **ज :** के साथ (अव्यय), उसे – **वह** (सर्वनाम)+**को** (विभक्ति चिह्न)

(ई) नीचे दिये गये क्रिया शब्द समझिए और अकर्मक व सकर्मक क्रियाएँ पहचानिए |

सोना, पढ़ना, पीना, हँसना, कहना, उठना, दौड़ना, खाना, चलना, लिखना

1. अकर्मक : सोना, हँसना, उठना, दौड़ना, चलना | **2. सकर्मक :** पढ़ना, पीना, कहना, खाना, लिखना |

परियोजना कार्य : 'यात्रा-वृत्तांत विधा की जानकारी प्राप्त कीजिए | उसकी सूची बनाकर कक्षा में प्रदर्शन कीजिए |

ज : यह गद्य साहित्य की एक प्रमुख विधा है | लेखक किसी दर्शनीय स्थल से संबंधित अपनी यात्रा का वर्णन प्रस्तुत करते हैं |

यात्रा-वृत्तांत

साहित्यक यात्रा - वर्णन — लेखक अपनी मस्ती - मौज का बड़ा रोचक वर्णन प्रस्तुत करता है |

ऐतिहासिक यात्रा - वर्णन — लेखक तटस्थ द्रष्टा के समान वर्णन करता है |

उपवाचक अपने स्कूल को एक उपहार (कहानी) लेखक : ऋतु भूषण |

शब्दार्थ : **उपहार** = కానుక; **शौक** = అభిరుచి; **जादूगर** = గారడీవాడు; **कठिनाई** = కష్టము; **कमजोरी** = బలహీనత; **टांगे** = కాళ్ళు; **बर्दाश्त** = సహనం; **मनाही** = నిషేధము; **स्फूर्ति** = ప్రేరణ; **भली-भाँति** = బాగుగా; **तबादला** = బదిలీ; **इकलौता** = ఒకేఒక; **वरदी** = గణవేషణ; **लंगड़ा** = కుంటి; **शरमिंदा** = సిగ్గుపడిన; **नाश्ता** = ఉపాహారం; **जबरदस्ती** = బలవంతం; **महसूस** = అనుభవించిన; **गंवारा** = గ్రామీన; **निबटना** = నివృత్తుడగుట.

1. राजू को उसका पुराना स्कूल कैसा लगता था ? ज : राजू को उसका पुराना स्कूल बहुत अच्छा लगता था | वहाँ उसके कई मित्र थे | सभी अध्यापक उसे पसंद किया करते थे | वह सबको अभिवादन करता था | दूसरों की कठिनाई दूर करने में वह पहला रहता था | किसी ने उसकी कमज़ोरी पर उँगली नहीं उठाई | वह खेलने में असमर्थ था | लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाता था |

2. राजू के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार कैसा था ? ज : राजू की टांगे बहुत दुर्बल थी | इसलिए वह कुछ लंगडा कर चलने लगता था | उसकी मधुर मुस्कान को साथी घूरते रहते और टांगों जी ओर संकेत करके मज़ाक उड़ाते थे | अध्यापक भी इसका ध्यान नहीं देते | कक्षा में पीछे बिठा देते थे | अध्यापक के प्रश्नों के जवाब नहीं देने देते थे | वे इसे गँवार लड़का समझते थे | साथियों ने इसे अकेला कर दिया |

3. राजू ने अपने स्कूल को किस तरह उपहार समर्पित किया ? ज : राजू को नए स्कूल के बच्चे गँवार समझते थे | इसलिए उसने घर पर अधिक परिश्रम किया और स्कूल में भी कड़ी मेहनत की | एक बार फिर वह कक्षा में प्रथम आया | उसकी प्रसन्नता की कोई सीमा ही नहीं रही | इस तरह उसने प्रथम आकर अपने पुराने ग्रामीण स्कूल को समुचित उपहार समर्पित किया | साथ-साथ नए स्कूल का नाम भी चमका दिया |

10. नीति दोहे (कविता) लेखक : रहीम, बिहारी |

शब्दार्थ : (1) **कहि** = చెప్పున్నారు; **संपति** = సంపద; **सग** = వెంట; **बनत** = అవుతుంది; **बहु रीत** = అనేకరీతుల; **बिपति** = కష్టము; **तेई** = అతడే; **साँचे** = నిజమైన; **मीत** = మిత్రుడు; (2) **पानी** = గౌరవం, కాంతి, నీరు; **ऊबरै** = లేకుండా; **मानुष** = మనిషి; **चून** = సున్నము; (3) **कनक** = బంగారం, ఉమ్మెత్త; **तैं** = తో; **मादकता** = మత్తు; **अधिकाइ** = ఎక్కువ; **उहि** = అతడు; **खाए** = తినడంమూలంగా; **बौराइ** = పిచ్చివాడిగా అవుట; **जग** = ప్రపంచము; (4) **अरु** = మరియు; **नल-नीर** = చేతిపంపులో నీరు; **एकै करि** = అదేవిధముగా; **जोइ** = వెతుకుట; **जेतौ** = ఎంతైతే; **तेतौ** = అంతే.

कविता सारांश : (दोहे का भाव)

1. रहीम कहते हैं कि संपत्ति मिलने पर बहुत लोग हमारे मित्र हो जाते हैं। वे हमारी संपत्ति के कारण हमारी मित्रता स्वीकार करते हैं। लेकिन विपत्ति के समय जो हमारा साथ दे वही हमारा सच्चा मित्र है।

2. रहीम इस दोहे में पानी शब्द का तीन अर्थ बताते हैं - 1. सम्मान 2. चमक 3.जल। इन तीनों के बिना मानव, मोती, चूने का कोई मूल्य नहीं है। '' पानी'' के बिना इन तीनों का जीवन व्यर्थ है। मानव को सम्मान, मोती के लिए चमक, चूने के लिए जल आवश्यक है। इसके बिना वे शून्य है।

3. बिहारी का कहना है कि सोना, धतूरे से सौगुना अधिक जहरीला और नशीला होता है। क्योंकि धतूरा तो खाने से लोग पागल होते हैं, लेकिन सोना तो पाकर ही लोग पागल हो जाते हैं।

4. बिहारी कहते हैं कि मनुष्य और नल के पानी की स्थिति समान है। नल का पानी जितना नीचे जाता है, पुनः उतना ही ऊपर उठता है। उसी प्रकार मनुष्य जितना अधिक विनम्र होता है, उतना ही यश प्राप्त करता है।

प्रश्न :

1. रहीम के अनुसार सच्चे मित्र की पहचान कब होती है ? ज : रहीम के अनुसार सच्चा मित्र की पहचान कष्ट के समय होती है।

2.' साँचे' शब्द का क्या अर्थ है ? ज : ' साँचे ' शब्द का अर्थ है – सच्चा।

3. पानी गये न ऊबरे, मोती मानुष चून – पंक्ति का भाव बताइए। ज : मनुष्य के लिए सम्मान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि मोती के लिए चमक और चूने के लिए पानी।

4. किसके मिलने पर मनुष्य पागल हो जाता है ? ज : सोने अर्थात् संपत्ति मिलने पर मनुष्य पागल हो जाता है।

5. बिहारी ने नर की तुलना किससे की है ? ज : बिहारी ने नर की तुलना नल के पानी से की है।

6. बिहारी के अनुसार व्यक्ति को कैसा होना चाहिए ? ज : बिहारी के अनुसार व्यक्ति को विनम्र होना चाहिए।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. नीति वचनों का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव होता है ? ज : नीति वचन जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज़रूरी है। समाज की व्यवस्था नीति पर ही अधारित है। नीति वचनों का पालन करनेवाला ही वास्तविक मनुष्य है। जिस मनुष्य में नीति नहीं वह पशु के समान है।

2. वस्तु विनियोग की दृष्टि से एक के स्थान पर उससे अधिक वस्तुएँ खरीदना ठीक नहीं है ? क्यों ? ज : आवश्यक वस्तुएँ खरीदना और उनका उपयोग करना ही विनियोग है। यदि कोई अनावश्यक वस्तुएँ खरीदता है तो वे वस्तुएँ जमा होती है। उनका निरुपयोग होता है। जमा खोरी से बाज़ार में चीजों की कमी हो जाती है। कमी के कारण माँग ज्यादा होती है। उनके भाव बढ़ जाते हैं।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

1. पाठ से ' ध्वनि साम्य' वाले शब्द चुनकर लिखिए। जैसे : रीत, मीत ज : सून-चून, अधिकाइ-बौराइ, उहि-इहि, खाए-पाए, नर-कर।

2. रहीम के दोहे में' पानी' शब्द का प्रयोग कितनी बार हुआ है ? उसके अलग-अलग अर्थ क्या है ?
ज : रहीम के दोहे में ' पानी ' शब्द का प्रयोग तीन बार हुआ है। उसके अर्थ हैं– सम्मान, चमक और जल।

(इ) भाव स्पष्ट कीजिए।

1. ज : (కవితా సారాంశములో రెండవ దోహా భావార్థము వ్రాయండి.)

2. ज : (కవితా సారాంశములో మూడవ దోహా భావార్థము వ్రాయండి.)

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. रहीम ने जल के महत्व के बारे में क्या बताया है ? ज : (కవితా సారాంశములో రెండవ దోహా భావార్థము వ్రాయండి.)

2. बिहारी ने सोने की तुलना धतूरे से क्यों की होगी ? ज : धतूरा नशीला होता है। उसको खाने से लोग पागल हो जाते हैं। धन-संपत्ति के मिलने पर भी लोग घमंडी हो जाते हैं। कवि ने घमंडी लोगों को पागल के समान ही माना है। इसलिए उन्होंने सोने की तुलना धतूरे से की होगी।

(इ) पाठ में दिये गये दोहों के आधार पर कुछ सूक्तियाँ लिखिए।

ज : 1. सच्चे मित्र की पहचान मुश्किल पड़ने पर होती है। 2. मनुष्य को अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए।
3. संपत्ति पाकर इंसान, पागल हो जाता है। 4. विनम्रता से ही मनुष्य का विकास होता है।

(ई) पाठ में दिये गये दोहों में आपको कौनसा दोहा बहुत अच्छा लगा ? क्यों ? ज : मुझे तीसरा दोहा बहुत अच्छा लगा। जहाँ बिहारी जी कहते हैं कि मनुष्य संपत्ति पाकर पागल हो जाता है। क्योंकि यह नीति जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। घमंड हमारे विकास में सबसे बड़ा बाधक है।

भाषा की बात : (अ) अर्थ के अनुसार बेमेल शब्द पहचानिए।

1. **नीर, पीर, जल, पानी ज :** पीर। 2. **मीत, रीत, मित्र, दोस्त ज :** रीत। 3. **जग, संसार, विश्व, मग ज :** मग।

(इ) 1. यमक अलंकार का एक उदाहरण दीजिए। ज : काली घटा का घमंड घटा

2. दोहा छंद का एक उदाहरण दीजिए। ज : कबिरा सोई पीर है, जो जाने परपीर।
जो परपीर न जानई, सो काफिर बेपीर ||

<u>**दोहे का लक्षण**</u> :'' विषम चरण तेरह कला, आदि जगण नहिं देत।
ग्यारह मात्रा सम चरण, गुरु न अंत में लेत ||''

विषम(1,3) चरणों में जगण (ISI) न रहे। लेकिन सगण (IIS), रगण (SIS) अथवा नगण (III) हो और समचरणों को, अंत में गुरु लघु (SI) रहना चाहिए।

(ई) 1. नीचे दिया गये शब्दों में प्रत्यय पहचानकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. **लौकिक – इक** – इस वैज्ञानिक युग में <u>**लौकिक**</u> सुख बढ़ गए हैं।
2. **नैतिक – इक** – इस वैज्ञानिक युग में <u>**नैतिक**</u> मूल्यों का हास हो गया है।
3. **पौराणिक – इक** – भारत में अनेक <u>**पौराणिक**</u> कथाएँ प्रचलित हैं।

11. जल ही जीवन है (कहानी) लेखक : श्री प्रकाश

शब्दार्थ : **सदी** = శతాబ్దం; **प्रगति** = వికాసము; **नियंत्रण** = అదుపు; **पर्यावरण** = పర్యావరణం; **आश्चर्यचकित** = ఆశ్చర్యపడిన; **सर्वेक्षण** = సర్వే; **निरंतर** = ఎడతెగకుండా; **वैज्ञानिक** = శాస్త్రవేత్త; **भूवैज्ञानिक** = భూగర్భశాస్త్రవేత్త; **आविष्कार** = ఆవిష్కరణ; **अनंत** = అంతములేని; **जासूस** = గూఢచారి; **हमला** = ఆక్రమణ; **अपहरण** = దొంగిలించుట; **अंतरिक्ष यान** = అంతరిక్షయానము; **महामारी** = కలరా; **हू-ब-हू** = ఉన్నది ఉన్నట్టుగా; **अभाव** = కొరత; **प्रकाशवर्ष** = కాంతి సంవత్సరము; **अनुमति** = అనుమతి; **तबाही** = నాశనము; **विशाल** = పెద్దదైన; **एकाएक** = అకస్మాత్తుగా; **ज़हरील** = విషపూరితమైన; **हीन** = తక్కువైన; **अस्तित्व** = ఉనికి; **अमूल्य** = వెలకట్టలేని; **आँखों से ओझल होना** = కనిపించకపోవుట; **सुरक्षित** = సురక్షితమైన.

प्रश्न :

1. सर्वेक्षण में क्या बताया गया ? **ज :** सर्वेक्षण में बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है।

2. प्रो. दीपेश के होश क्यों उड़ गये ? **ज :** जब प्रो. दीपेश को लगा कि वह यान पृथ्वी का नहीं किसी दूसरे ग्रह का है तो भय और आशंका से उनके होश उड़ गये।

3. जासूसी यान से क्या तात्पर्य है ? **ज :** जो गुप्त रूप से हमारी रक्षण संबंधी सूचनाएँ ले जाने के उद्देश्य से आते हैं वे जासूसी यान हैं।

4. मानवाकृति अंतरिक्षयात्री कहाँ से आये थे ? **ज :** मानवाकृति अंतरिक्षयात्री दूसरे ग्रह से आये थे। वह ग्रह पृथ्वी से लगभग एक प्रकाशवर्ष दूर था।

5. वे पृथ्वी पर क्यों आये थे ? **ज :** वे पृथ्वी पर जल चुराने आये थे क्योंकि उनके ग्रह का जल प्रदूषित हो चुका था।

6. उनकी प्रार्थना क्या थी ? **ज :** उनकी प्रार्थना थी कि हम अपने जलाशयों को साफ़ और सुरक्षित रखें ताकि हमें उनकी तरह जलचोर न बनना पड़े।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया : (अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. हमारे जीवन में जल का क्या महत्व है ? **ज :** हमारे जीवन में जल का बड़ा महत्व है। बिना पानी के पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है। इसलिए तो कहा गया है कि जल ही जीवन है।

2. धरती पर हर हिस्से में जल है, किन्तु स्वच्छ जल की मात्रा बहुत कम है। ऐसी स्थिति में जल का सदुपयोग कैसे करेंगे ?
ज : जल का सदुपयोग करने का तात्पर्य है– जल, व्यर्थ और प्रदूषित न करना। इसलिए हम अपनी आवश्यकता भर ही जल का उपयोग करें। यदि हम तालाबों, झीलों, नदियों को नष्ट होने से बचाएँ तो वह जल भी सदुपयोग होगा।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

1. हमारे घर पहुँचने वाले जल का उपयोग हम किसके लिए कर रहे हैं ? **ज :** हमारा घर पहुँचनेवाले जल का उपयोग हम नहाने, कपड़े धोने, साफ-सफाई, सिंचाई आदि के लिए कर रहे हैं।

2. जल की समस्या भविष्य में क्या विपत्तियाँ ला सकती हैं ? **ज :** जल की समस्या भविष्य में भयंकर आपदाएँ ला सकती हैं। इस समस्या से लोग अपने प्राण खो जाएँगे। 0.007% का पेयजल लुप्त हो जाएगा। प्रदूषित जल ही मिल जाएगा। इससे बीमारियाँ फैल जाएँगी। राज्यों के बीच, राष्ट्रों के बीच लड़ाई-झगड़े हो जाएँगे। प्राणी धरती पर न के बराबर हो जाएगा।

3. जल की समस्या का समाधान क्या है ? **ज :** जन संख्या की वृद्धि का दर कम करना चाहिए। जल-प्रदूषण को रोकना चाहिए। वर्षा-जल गड्ढों में जमा करना चाहिए। उसे समुद्र में नहीं बहाना चाहिए। उसे रोकने के लिए बाँध बनाने चाहिए। आवश्यकता के अनुसार ही उसका उपयोग करना चाहिए। प्रदूषित-जल एवं समुद्र-जल को शुद्ध करके पुनः उपयोगार्थ प्रौद्योगिकी(टेक्नॉलजी) को विकसित करना चाहिए।

(इ) निम्न लिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

1. इस प्रकार पृथ्वी का चक्कर लगाने का क्या मतलब हो सकता है। **ज :** अंतरिक्ष-यान आकर बाग में उतरता है। तब प्रो. दीपेश और प्रो. विकास आश्चर्य चकित होकर देखते हैं। तब दोनों सोचने लगते हैं कि यह अंतरिक्षयान पृथ्वी का चक्कर लगा रहा है। इसका कारण क्या है ? वे संदेह करते हैं कि वह यान जासूसी यान है क्या ?

2. हम लोग यहाँ एक मिशन के तहत आए हैं। **ज :** दूसरे ग्रह के यान से एक मानवाकृति निकलती है। वह प्राणी मनुष्य की तरह ही दिखता है बस उसका आकार कुछ बड़ा है। वह बताता है कि वह और उसके सभी एक विशेष मिशन के तहत यहाँ आए हैं और इस मिशन का उद्देश्य है पृथ्वी से कुछ जल चुराकर अपने ग्रह पर ले जाना।

3. आप अपने जलाशयों को साफ़ और सुरक्षित रखें ताकि आपको भी हमारी तरह जलचोर न बनना पड़े। **ज :** दूसरे ग्रह का अंतरिक्ष यात्री लौटने के बाद एक पत्र छोड़ जाता है। इस पर जलसंरक्षण संबंधी संदेश है। क्योंकि वह जानता है कि यदि पृथ्वी के वासियों ने इसी प्रकार प्रदूषण फैलना जारी रखा तो इन्हें स्वच्छ जल बाद में नहीं मिल पाएगा।

(ई) विज्ञापन पढ़कर कोई चार प्रश्न बनाइए।

ज : 1. यह विज्ञापन किनकी ओर से जारी किया गया है ? 2. राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है ? 3. यह कार्यक्रम कितने क्षेत्रों में क्रियाशीलता पर लक्षित है ? 4. इस कार्यक्रम से कितने करोड़ किशोरों को लाभ होगा ?

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता : (अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1.' जल ही जीवन है।' शीर्षक से आपका क्या अभिप्राय है ? **ज :** ' जल ही जीवन है' शीर्षक से अभिप्राय है कि जल जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है। अतः स्वच्छ जल का संरक्षण बहुत ज़रूरी है।

2. जल स्रोतों के रखरखाव के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ? **ज :** जल को सदैव स्वच्छ रखें। अधिक ध्यान देने की बात यह है कि इसमें गंदगी न फैलाएँ। वर्षा में दो बार अपने गाँव के तालाबों को साफ़ करें। पेयजल की नदियों में कपड़े धोने या जानवरों को नहलाने पर रोक लगानी होगी।

(आ) आज दुनिया के सभी देशों में जल की समस्या बनी हुई है। इसके समाधान में हम सब की क्या ज़िम्मेदारी है ? **ज :** कहीं भी हमें पानी का बरबाद नहीं करना चाहिए। हमें जितना जरूरी उतने का ही उपयोग करना चाहिए। पीने के पानी से हाथ-मुँह नहीं धोना चाहिए। जलाशयों में नहाना, पशुओं को धोना, कपड़े धोना, कूड़ा-करकट फेंकना आदि को नहीं करना चाहिए। जल में विष मिलानेवाले असमाजिक तत्वों के प्रति सावधान बर्तना चाहिए। जल-विवादों का चर्चाओं द्वारा हल करना चाहिए। जल की समस्या के समाधान में इन सब का अनुपालन हम सब की जिम्मेदारी है।

भाषा की बात :

(अ) सूचना पढ़िए। उसके अनुसार कीजिए।

1. **ज :** जलजंतु, जलवासी, जलपान, जलमार्ग। 2. **ज :** प्रोफेसर, फोन, हैलो, शुरुआत, होश, गुज़रना, बाग़, आवाज़, नज़र आदि।

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। कोष्ठक में दी गयी सूचना के अनुसार वाक्य बदलिए।

1. ज : यह तो कोई यान था। **2. ज :** मेरे कई साथी इस संपूर्ण नीले ग्रह पर फैलेंगे। **3. ज :** पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे हैं।
4. ज : हम लोग अपना मिशन चुपचाप करना चाहेंगे।

(इ) नीचे दिया गया उदाहरण पढ़िए। उसके अनुसार एक वाक्य बनाइए।

ज : हम लोगों ने यहाँ पर विशाल जल भंडारों को देखा।
किन्होंने यहाँ पर विशाल जल भंडारों को देखा।

(ई) अर्थ के आधार पर वाक्य पहचानिए।

1. ओह ! यह तो कोई यान है। **(विस्मयादिवाचक)**
2. यह यान कहाँ से आया ? **(प्रश्नवाचक)**
3. दोनों ने एक साथ उस अंतरिक्ष यात्री से पूछा। **(विधानवाचक)**
4. यहा का जल शुद्ध होगा **(संदेहवाचक)**
5. हमारे यहाँ जल होता तो हम पृथ्वी पर न आते। **(संकेतवाचक)**
6. हमें शुद्ध जल चाहिए। **(आज्ञावाचक)**
7. आप भी कभी हमारे यहाँ आइए। **(इच्छावाचक)**
8. नदी-नालों में कचरा बहाना मना है। **(निषेधवाचक)**

12. धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब (साक्षात्कार)

शब्दार्थ : **प्राकृतिक गुण** = స్వాభావిక గుణం; **विशिष्ठ** = ప్రసిద్ధిచెందిన; **सुरक्षा** = సంరక్షణ; **रासायनिक वायु** = రసాయనిక వాయువు; **आविष्कार** = ఆవిష్కరణ; **साक्षात्कार** = కలయిక; **साप्ताहिक** = వారపు; **दुनिया के मानचित्र** = ప్రపంచపటం; **जनसंख्या** = జనాభా; **सामाजिक समस्याएँ** = సామాజిక సమస్యలు; **सुझाव** = సలహా; **अभिभावक** = సంరక్షకుడు; **भ्रष्टाचार** = అవినీతి; **बाल मज़दूरी** = బాలకార్మికులు; **ईमानदारी** = నిజాయితీ; **रक्षा अनुसंधान** = రక్షణశాఖ; **बेहद खुशी** = హద్దులేని ఆనందం; **डी.आर.डी.ओ.** =Defence Research Developement Organisation; **क्षमता** = సామర్థ్యం.

प्रश्न :

1. निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या क़दम उठाये जा रहे हैं ? ज : सरकार ने आर.टी.ई. अधिनियम – 2009 बनाया और 1 अप्रैल, 2010 से लागू हुआ। इसके अनुसार, 6–14 वर्षीय बच्चों को निः शुल्क और अनिवार्य शिक्षा दी जा रही है। प्रौढ़ शिक्षा के माध्यम से पुरुषों और महिलाओं को शिक्षित करने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। पाठशालाएँ बच्चों की पहुँच के अंदर होने की कोशिश की जा रही है।

2. एक छात्र में कौन-कौन से महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए ? ज : एक छात्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण है – उसकी अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण। ये गुण बच्चों को आदर्श नागरिक बनायेंगे।

3. एक छात्र के रूप में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए ? ज : एक छात्र होने के नाते, हम जिस कक्षा में पढ़ते हैं, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें। अपने जीवन में पहले एक लक्ष्य बनायें। फिर उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव करें। बाधाओं से लड़ते हुए उन पर विजय प्राप्त करें। निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढ़िया काम करने की ओर बढ़ते रहे। साथ ही नैतिक मूल्यों को भी ग्रहण करें। छात्रों को हमेशा परिश्रमी बनने का प्रयास करना चाहिए। छुट्टियों के दिनों में गरीब बच्चों को पढ़ाना चाहिए। पौधे लगाकर पर्यावरण को संतुलित करना चाहिए। इस प्रकार हमें एक छात्र के रूप में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए ये कार्य करने चाहिए। ये कार्य न केवल हमको, बल्कि हमारे राष्ट्र को भी विकसित और समृद्धि के पथ पर ले जाएँगे।

4. भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त कराने में छात्रों का क्या योगदान हो सकता है ? ज : आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। यदि छात्र ईमानदारी और सच्चाई का पाठ सीखते हैं तो भावि जीवन में शायद ही कोई उनको हिला पाएगा। वे भ्रष्टाचार-मुक्त जीवन का निर्वाह करेंगे और दूसरों के लिए आदर्शवान बने रहेंगे।

5. बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश क्या है ? ज : बच्चे जो भी पढ़े ध्यान से पढ़े, मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रुके नहीं। जो उन्हें पसंद हैं, उसमें अपना जी-जान लगा दें। कमर कसकर तैयारी करें। सफलता अवश्य उनके कदम चूमेगी। यही बच्चों के लिए टेसी थॉमस का संदेश है।

6. टेसी थॉमस को ' अग्नि-पुत्री ' का उपनाम क्यों दिया गया होगा ? ज : रक्षा अनुसंधान और विज्ञान को पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है। मगर टेसी थॉमस ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ निश्चय से पुरुष वर्चस्व वाले क्षेत्र में सफलता के नये शिखर तय किए हैं। वे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन(डी.आर.डी.ओ.) के अग्नि-5 कार्यक्रम की निर्देशिका बनी। उन्होंने देश के किसी मिसाइल प्रॉजेक्ट की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव प्राप्त किया। इसलिए उसे ' अग्नि पुत्री ' का उपनाम दिया गया।

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

(अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे कुछ और महापुरुषों के नाम बताइए। ज : सी.वी.रामन, श्रीनिवास रामानुजम, जगदीशचंद्र बोस आदि।

2. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और टेसी थॉमस में आपको सबसे अच्छी बात कौनसी लगी और क्यों ? ज : एक छात्र के नाते मुझे कलाम जी और टेसी की ये बातें अच्छी लगीं – सभी समस्याओं का जड़ अशिक्षा या निरक्षरता है। कलाम जी ने छात्रों को इस संबंध में एक अच्छा सुझाव दिया है –' हरेक छात्र पाँच अशिक्षित महिलाओं को शिक्षित करें और महिलाओं की वर्तमान समस्याओं के बारे में भी बताएँ।' बच्चों के लिए टेसी थॉमस ने जो सुझाव दिये– ' जो भी पढ़े ध्यान से पढ़े, मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रुके नहीं।'

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

1. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का साक्षात्कार किसने लिया ? ज : ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का साक्षात्कार छात्रों ने लिया था।

2. टेसी थॉमस का साक्षात्कार किसने लिया ? ज : टेसी थॉमस का साक्षात्कर इंडिया टुडे साप्ताहिक पत्रिका ने लिया।
3. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बाल मज़दूरी को समाप्त करने के लिए क्या उपाय बताये ? ज : कलाम जी ने बाल मजदूरी को समाप्त करने के लिए तीन उपाय बताए – 1. बच्चा स्वयं अपनी पढ़ाई जारी रखने में रुचि दिखाएँ। 2. माता-पिता को शिक्षित करके और 3. बच्चों से काम लेनेवाले मालिकों में आत्म-नियंत्रण की प्रवृत्ति का विकास करके, ताकि वे उन बच्चों को अपने बच्चे जैसे ही समझें।
4. टेसी थॉमस की स्कूली पढ़ाई कहाँ हुई ? उन्हें किन विषयों में रुचि थी ? ज : टेसी थॉमस की पढ़ाई केरल स्थित अलप्पुझा में हुई। उन्हें गणित और विज्ञान के विषयों में रुचि थी।

(इ) निम्न लिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

1. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए व्यापक आंदोलन की आवश्यकता है। ज : सार्वजनिक जीवन में सभी स्तरों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। इसका उन्मूलन आसान नहीं है। इसके उन्मूलन के सहायक तीन हो सकते हैं। वे हैं– माता, पिता और शिक्षक। इन तीनों बच्चों में ईमानदारी को जगाकर उन्हें सच्चाई का पाठ पढ़ाना है।
2. सच्चे अर्थों में वे देश के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श है। ज : कलाम जी ने दुनिया के मानचित्र में भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। इसके लिए भारतवासी उनके ऋणि हैं। वे ' मिसाइल मैन ' हैं। उन्होंने मिसाइल बनाकर भारत को सुरक्षित रखा। वे महान थे, महान हैं और महान रहेंगे। उनकी नेतृत्व क्षमता असमान है। वे सब के आदर्श हैं। वे केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श हैं।

(ई) गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ज : विज्ञान पढ़ने का नहीं समझने का विषय है और जानने का भी।
2. ज : ऋतुओं का बदलना, बीज से नन्हें पौधे का निकलना, पक्षियों का उड़ना, तितली का मकरंद पीना आदि।
3. ज : जानने की इच्छा न हो तो किताबों से सीख नहीं सकते।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर 3 – 4 पंक्तियों में लिखिए।

1. कलाम के विचार में '' आदर्श छात्र '' के गुण क्या हैं ? ज : कलाम के विचार में आदर्श छात्र के गुण ये होना चाहिए – शिक्षा के प्रचार की चाहत, स्वाध्याय, अनुशासन, सदव्यवहार, सेवाभाव, ईमानदारी, नैतिकता आदि। और उनमें आत्मसुधार की भावना होनी चाहिए।
2. टेसी थॉमस के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है ? ज : जो भी पढ़े ध्यान से पढ़े, मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्त करने तक रुके नहीं। हमें जो पसंद है, उसमें अपना जी-जान लगादें। कमर कसकर तैयारी करें। सफलता अवश्य अपने कदम चूमेंगी।

(आ) इन प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए।

1. अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन से गुण होने चाहिए ? ज : एक अच्छे नागरिक बनने के लिए अनुशासित रहना चाहिए। खूब पढ़ाई करनी चाहिए। ईमानदार बनना चाहिए। कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इन बातों को पालन करना महत्वपूर्ण है। हर नागरिक को अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण होना है। ये गुण उनको निस्संदेह आदर्श नागरिक बनायेंगे। माता, पिता, शिक्षक इन तीनों की बातें, उनके द्वारा दी गई सच्चाई का पाठ पढ़े तो जीवन में कोई उनको हिला नहीं पायेगा। हर नागरिक का यह संकल्प रहना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को मिठा सकें। साक्षरता को बढ़ाने के लिए कम से कम पाँच महिलाओं को शिक्षित करें जो पढ़ना-लिखना नहीं जानती। बाल मजदूरी को मिटाना भी एक अच्छे नागरिक का कर्तव्य है।
2. टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं क्यों ? ज : भारत में जब भी अंतरिक्ष विज्ञान और मिज़ाइल की बात की जाती है, तो सभी के मस्तिष्क में एक ही नाम गूँजता है – ए.पी.जे. अब्दुल कलाम। वे प्रसिद्ध वैज्ञानिक, भारतरत्न एवं भूतपूर्व राष्ट्रपति। कलाम जी ने दुनिया के मानचित्र में भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। इसके लिए भारतवासी उनके ऋणि हैं। वे ' मिसाइल मैन ' हैं। उन्होंने मिसाइल बनाकर भारत को सुरक्षित रखा। वे महान थे, महान हैं और महान रहेंगे। उनकी नेतृत्व क्षमता असमान है। वे सब के आदर्श हैं। वे केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के आदर्श हैं। इसलिए टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती है।

(इ) किसी एक साक्षात्कार को उचित शीर्षक देते हुए निबंध के रूप में लिखिए।

ज :

आदर्श नागरिक

प्रस्तावना : विधाता द्वारा बनायी गयी सृष्टि में अनेक जीव जंतुओं ने इस संसार में जन्म लिया है। मगर देश का महत्वपूर्ण अंग है नागरिक। वह देश का प्राण भी है। इनके बिना देश की प्रगति आधूरि रहती है। हर नागरिक को आदर्श नागरिक बनने का प्रयत्न करना चाहिए।
विषय प्रवेश : बड़े हमेशा बच्चों को कुछ न कुछ उपदेश देते रहते हैं – अनुशासित रहना चाहिए, खूब पढ़ाई करनी चाहिए, ईमानदार बनना चाहिए, बड़ी मेहनत करनी चाहिए आदि। वैसे तो इन बातों का पालन करना महत्वपूर्ण है, किंतु एक नागरिक के लिए सबसे महत्वपूर्ण गुण क्या है ?... उसकी अपने प्रति ईमानदारी और दोसरों के प्रति आदर का गुण।
विषय विश्लेषण : आज का छात्र कल का नागरिक है। इसलिए हर एक छात्र जिस कक्षा में पढ़ते हैं, उस में आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें। अपने जीवन में पहले एक लक्ष्य बनायें। फिर उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करें। निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए सबसे बढ़िया काम करने की ओर बढ़ते रहे। साथ ही नैतिक मूल्यों को भी ग्रहण करें।
छुट्टी के दिनों में गरीब और सुविधाओं से वंचित बच्चों को पढ़ाने का काम करें। अधिक से अधिक पौधे लगायें। इससे पर्यावरण संतुलित बने रहने में सहायता मिलेगी।
उपसंहार : हर नागरिक का यह संकल्प रहना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को मिठा सकें। साक्षरता को बढ़ाने के लिए कम से कम पाँच महिलाओं को शिक्षित करें जो पढ़ना-लिखना नहीं जानती। बाल मजदूरी को मिटाना भी एक आदर्श नागरिक का कर्तव्य है।

(ई) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचार आदर्श योग्य हैं। इन विचारों को अमल में लाने के लिए आप क्या करेंगे ?

ज : मैं कम से कम पाँच निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करूँगा। साथ-साथ प्रमुख वर्तमान समस्याओं के बारे में बताऊँगा। बाल मजदूर बच्चों को मेरे कपड़े, पुस्तकें, लेखन-सामग्री आदि देकर पाठशाला की ओर आकृष्ट करूँगा। छुट्टियों में प्रौढ़ों की शिक्षा दूँगा। बाल मजदूरी दूर करने का प्रयत्न करूँगा। बड़े होने के बाद में भ्रष्टाचारी नहीं बनूँगा और दूसरों को भी नहीं होने दूँगा। एक छात्र होने के नाते, मैं खूब परिश्रम कर पढूँगा और लक्ष्य की ओर बढ़ूँगा। समय-समय पर पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाने की कोशिश करूँगा।

भाषा की बात :

(अ) सूचना पढ़िए। वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. प्रतिभा , परिश्रम , छात्र, शिक्षा (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और पर्याय शब्द लिखिए।)

1. **प्रतिभा :** राजू में गाने की **<u>प्रतिभा</u>** है । **पर्यायवाची शब्द :** योग्यता, क्षमता ।
2. **परिश्रम :** **<u>परिश्रम</u>** से ही सफलता मिलती है । **पर्यायवाची शब्द :** मेहनत, श्रम ।
3. **छात्र :** मैं दसवी कक्षा का **<u>छात्र</u>** हूँ । **पर्यायवाची शब्द** : विद्यार्थी, शिक्षार्थी ।
4. **शिक्षा :** **<u>शिक्षा</u>** से समाज का विकास होता है । **पर्यायवाची शब्द** : विद्या ।

2. संभव, ज्ञान, बढ़िया, साकार (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **संभव** X असंभव — **वाक्य प्रयोग :** मेहनत करने से सब **<u>संभव</u>** है ।
2. **ज्ञान** X अज्ञान — **वाक्य प्रयोग :** शिक्षा से **<u>ज्ञान</u>** प्राप्त होता है ।
3. **बढ़िया** X घटिया — **वाक्य प्रयोग :** सुबह जल्दी जागना **<u>बढ़िया</u>** आदत है ।
4. **साकार** X निराकार — **वाक्य प्रयोग :** मूर्ति ईश्वर का **<u>साकार</u>** रूप है ।

3. छात्रा, छुट्टी, पौधा, बात (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए ।)

1. **छात्रा** – छात्राएँ — **वाक्य प्रयोग :** मैं दसवी कक्षा की **<u>छात्रा</u>** हूँ ।
2. **छुट्टी** – छुट्टियाँ — **वाक्य प्रयोग :** मैं कल **<u>छुट्टी</u>** पर था ।
3. **पौधा** – पौधे — **वाक्य प्रयोग :** हर साल मैं अपने जन्मदिन पर **<u>पौधा</u>** लगाता हूँ ।
4. **बात** – बातें — **वाक्य प्रयोग :** गलत बात नहीं करनी चाहिए ।

(आ) सूचना पढ़िए । उसके अनुसार कीजिए ।

1. निर्धन, संकल्प **(संधि विच्छेद कीजिए ।)** **ज :** निः + धन(**विसर्ग संधि**), सम् + कल्प(**व्यंजन संधि**) ।
2. सुबह-शाम, युवाशक्ति **(समास बताइए ।)** **ज :** सुबह और शाम(**द्वंद्व समास**), युवा की शक्ति(**तत्पुरुष समास**)

(इ) रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए और इन्हें समझिए ।

1. राष्ट्रपति <u>कार्यालय</u> के दौरान <u>कुछ</u> बालकों ने <u>उनका</u> साक्षात्कार लिया था ।
2. <u>निरंतर</u> प्रयत्नशील रहते हुए सबसे <u>बढ़िया</u> काम करने <u>की ओर</u> बढ़ते रहें ।
ज : दोनों वाक्यों में रेखांकित शब्द शब्द-भेद के अंतर्गत आते हैं –
पहले वाक्य में : कार्यालय (**संज्ञा**), कुछ (**अनिश्चय परिमाणवाचक विशेषण**), उनका (**निजवाचक सर्वनाम**)
दूसरे वाक्य में : निरंतर (**क्रियाविशेषण**), बढ़िया (**क्रियाविशेष**), की ओर (**क्रियाविशेषण और संबध बोधक अव्यय**)

(ई) रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिये गये शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।

एक छात्र होने के नाते आप जिस कक्षा में भी पढ़ते हों, उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।
ज :1. एक **नागरिक** होने के नाते आप जिस **देश** में भी रहते हों उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।
2. एक **खिलाड़ी** होने के नाते आप जिस **खेल** में भी खेलते हों उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।
3. एक **कलाकार** होने के नाते आप जिस **कला** में भी प्रवीण हों उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।
4. एक **अध्यापक** होने के नाते आप जिस **विषय** में भी निपुण हों उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।
5. एक परीक्षार्थी होने के नाते आप जिस **परीक्षा** में भी बैठते हों उसमें आगे बढ़ने के लिए खूब परिश्रम करें ।

परियोजना कार्य :

ज : मैंने छठ्वी कक्षा से दसवीं कक्षा तक की हिन्दी पाठ्य-पुस्तकों के मुखपृष्ठों का अध्ययन किया । उनमें से मुझे नवीं पाठ्य-पुस्तक का मुखपृष्ठ बहुत अच्छा लगा । क्योंकि मैं गाँव में रहने वाला हूँ । मुखपृष्ठ पर गाँव का दृश्य प्रतिबिंबित हो रहा है । खेत में हल चलानेवाले किसान, बैल, काम करनेवाले किसान, राष्ट्रीय पक्षी मोर-मोरनी, गौरा-गौरैया, लताएँ, पहाड़, उड़नेवाली चिड़ियाँ, पूर्णकुंभ आदि अनेक दृश्य उभरते हैं । यह पृष्ठ मनमोहक है ।

उपवाचक अनोखा उपाय (अनूदित कहानी) **लेखक : डॉ. रावूरि भरद्वाज**

शब्दार्थ : **गड्ढा** = పెద్దగుంట; **चारा** = పశువుల మేత; **हाज़िरजवाबदार** = త్వరగా తిరుగు జవాబు చెప్పగలవాడు; **आभास** = సంకేతము; **लदना** = మోయబడుట; **सुधार** = సంస్కరణ; **भीगना** = తడియుట; **अकाल** = కరువు; **भेंट** = సమావేశము; **हाथ बँटाना** = సాయపడుట; **लबालब** = అంచువరకు; **असीम** = అపారము; **औसत** = సగటు; **सीख** = నీతి; **चमन** = చిన్నతోట.

1. राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई होगी ? ज : राजा कुमारवर्मा ने छोटी-छोटी भूलें की होगी । उन्होंने उनको नहीं सुधार लिया होगा । इसलिए राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी ।

2. अकाल की समस्या के निवारण के लिए राजा ने क्या-क्या उपाय सोचे होंगे ? ज : राजा ने यज्ञ-यागादि क्रतुओं को किया होगा । राज भंडार का अनाज़ प्रजा में बँटवाया होगा । बुद्धिमानों से सलाह-मशविरा किया होगा । आस-पड़ोस के राजाओं से अनाज़ उधार लिया होगा । उनसे विचार-विमर्श किया होगा ।

3. राजा कुमारवर्मा की जगह पर यदि तुम होते तो अकाल की समस्या से कैसे जूझते ? ज : यदि मैं राजा कुमारवर्मा की जगह पर होता, तो मैं भी राजा की तरह अकाल की समस्या से जूझता । अगे चलकर आत्म-विश्लेषण द्वारा अपनी भूलें पहचान लेता । उनको सुधार लेता । आगे, कभी छोटी सी भूल भी नहीं होने देता ।

---

1. पर्यावरण और प्रदूषण

<u>निबंध की रूप रेखा</u> : 1.विषय प्रवेश 2. विषय विस्तार 3. नष्ट 4. उपसंहार ।

<u>विषय प्रवेश</u> : पर्यावरण का अर्थ है वातावरण । पर्यावरण हर प्राणी का रक्षाकवच है । पर्यावरण के संतुलन से मानव का स्वास्थ्य अच्छा रहता है । पर्यावरण में भूमि, वायु, जल, ध्वनि नामक चार प्रकार के प्रदूषण फैल रहे हैं । इन प्रदूषणों के कारण पर्यावरण बिगडता जा रहा है ।

<u>विषय विस्तार</u> : धरती पर रहनेवाली हर प्राणी को जीने प्राणवायु की आवश्यकता होती है । यह प्राणवायु हमें पेड़-पौधों के हरे-भरे पत्तों से ही मिलता है । इन दिनों पेड़-पौधों को बेफिक्र काट रहे हैं । पेड़-पौधों को काटने से पर्यावरण का संतुलन तेज़ी से बिगडता जा रहा है । हमारे चारों ओर के कल-कारखानों से धुआँ निकलता है । इससे वायु प्रदूषण बढ़ रहा है । कूडे-कचरे को नदी-नालों में बहा देने से जल प्रदूषण हो रहा

है। वायु, जल प्रदूषणों के कारण कई बीमारियाँ फैल रही हैं। यातायात साधनों के भीषण ध्वनियों से ध्वनि प्रदूषण हो रहा है।

नष्ट : पर्यावरण के असंतुलन से मौसम समय पर नहीं आता। इससे वर्षा भी ठीक समय पर नहीं होती। वर्षा हुई तो कहीं अतिवृष्टि या कहीं अल्पवृरिट। वर्षा के कारण अकाल पड़ता है।

उपसंहार : प्रदूषण को यथा शक्ति दूर करना हम सबका कर्तव्य है। इसके लिए हम सब यह वचन लें और प्रयत्न करें – गंदगी न फैलाएँ, कूड़ा-कचरा नदी नालों में न बहायें, उनको सदा साफ़ रखें। पेड़ों को न काटें। नये पेड़-पौधे लगाकर पृथ्वी की हरियाली बढ़ायें। वहनों का धुआँ और ध्वनि कम करें। ऐसा करने से ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।

2. पाठशाला में खेलों का महत्व

निबंध की रूप रेखा : 1.प्रस्तावना 2. प्रकार 3. लाभ 4. नष्ट 5. उपसंहार।

प्रस्तावना : पाठशाला में विद्याध्यन के साथ खेलों का भी जरूरत है। विद्यार्थी अपने विद्याध्ययन के साथ - साथ खेलों पर भी ध्यान देना चाहिए। शरीर को स्वास्थ रखने के लिए व्यायाम और खेल - कूदों की जरूरत है।

प्रकार : खेल कई प्रकार के होते हैं– बाह्य खेल और आंतरिक खेल या घरेलु खेल। बाह्य खेलों में कबड्डी, क्रिकेट, खो - खो, फुटबाल, वालीबाल आदि उल्लेखनीय है। आंतरिक खेल में कैरम्स, चेस, टेबल टेनिस, अंत्याक्षरी आदि उल्लेखनीय हैं।

लाभ : खेलों से अनेक लाभ हैं। खेलों से शरीर मजबूत बनता है। मस्तिष्क फुर्तीला रहता है। मन और मस्तिष्क तेजी से काम करने लगते हैं। ' आलस्य ' दूर हो जाता है। खेलों से सहयोग की भावना, समय - पालन, स्वानुशासन, आत्म - विश्वास आदि गुणों का विकास होता है।

नष्ट : हमेशा खेलते रहना भी गलत धारणा है। पढ़ाई के समय पढ़ना है और खेलों के समय खेलना है। निर्धारित समय में ही खेलना चाहिए। जरूरत से बढ़कर खेलने पर प्रयोजन सिध्द नहीं होता।

उपसंहार : छात्रों को खेल - कूद में खूब भाग लेना चाहिए। इससे तंदुरुस्ती के साथ मनोरंजन भी होता है। मानव जीवन सुखमय बनता है

3. कंप्यूटर (संगणक)

निबंध की रूप रेखा : 1.प्रस्तावना 2. लाभ 3. प्रयोजन 4. भविष्य 5. उपसंहार।

प्रस्तावना : आज विज्ञान का युग है। विज्ञान के सहारे विश्व में नये - नये आविष्कार हुए हैं। कंप्यूटर विज्ञान की सब से बड़ी महत्वपूर्ण चमत्कारी देन है। कंप्यूटर को हिन्दी में ' संगणक ' कहते हैं।

लाभ : आज के युग को ' कंप्यूटर युग ' कह सकते हैं। मानव - जीवन के हर क्षेत्र में कंप्यूटर की आवश्यकता और उपयोगिता दिन - ब - दिन बढ़ती जा रही है। गणन या गुणन इसके सहारे हम बहुत आसानी से कर सकते हैं। इससे मानव की बौध्दिक क्षमता की ज्यादा से ज्यादा बचत हो सकती है।

प्रयोजन : अनेक लोगों द्वारा किये जानेवाले काम को कंप्यूटर अकेला ही कम समय में कर सकता है। आज दुनिया कंप्यूटर की दासी बन गयी है। आज कंप्यूटर के बिना दुनिया को नहीं सोच सकते हैं। इसलिए हर छात्र को कंप्यूटर का ज्ञान पाना आवश्यक बन गया है।

भविष्य : कंप्यूटर की माँग साल - ब - साल बढ़ रही है। शासन, शैक्षिक, व्यापारिक, राजनैतिक, आखिर धार्किक क्षेत्र में भी कंप्यूटर की उपयोगिता बढ़ रही है। कंप्यूटर के द्वारा आज हम भविष्य भी बता सकते हैं। ग्राफिक्स, राबोट्स आदि इस दिशा में एक नयी खोज है। कंप्यूटर से हम आज शल्य - चिकित्सा भी कर सकते हैं।

उपसंहार : कंप्यूटर से मानव - जाति को बहुत ही सुख-सुविधाएँ मिली हैं। यह मानव - जीवन के लिए विज्ञान की अपूर्व वरदान है।

4. छुट्टी - पत्र

रामपल्ली,
25.10.2017.

सेवा में,

श्री प्रधानध्यापक जी,
जि. प्र. प. उ. पाठशाला,
रामपल्ली,

श्रीमान प्रधानध्यापक जी,
सादर प्रणाम।

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरी बड़े बहन की शादी अगले सोमवार तिरुपति में होनेवाली है। मुझे वहाँ जाना जरूरी है। क्योंकि शादी के कामों में सहायता के लिए मेरे पिताजी मुझे अपने साथ रखना चाहते हैं। हम लोग कल ही, तिरुपति-एक्सप्रेस से जा रहे हैं। इसलिए शादि में सम्मिलित होने के कारण मैं विद्यालय में नहीं आ सकता। इसलिए आप मुझे दि.------------ से ------------ तक पाँच दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
XXXXXXXXXXXXXXX,
दसवी कक्षा - ए,
जि. प्र. प. उ. पाठशाला, **रामपल्ली,**

5. विद्यार्थी और अनुशासन

निबंध की रूप रेखा : 1.प्रस्तावना 2. प्रभाव 3. लाभ 4. नष्ट 5. सुझाव 6. उपसंहार।

प्रस्तावना : विद्या का अर्जन करनेवाला विद्यार्थी कहलाता है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन एक अत्यंत मुख्य अंग हैं। अनुशासन से ही विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ सकता है।

प्रभाव : हर काम को उचित समय में उचित रीति से करना ही अनुशासन कहलाता है। माँ–बाप और गुरुजनों की आज्ञाओं का पालन करना अनुशासन ही है। इस तरह के अनुशासन - पालन से संसार में अनेक सामान्य व्यक्ति भी महापुरुष बन गये हैं। हर काम की सफलता में अनुशासन का ही प्रमुख स्थान है।

लाभ : छात्रों को तो बचपन से ही अनुशासन का पालन करना चाहिए। इसीसे उसे परीक्षाओं में सफलता मिलती है। उसका भावी जीवन एक व्यवस्थित रूप धारण कर लेता है। अनुशासन हीन छात्र सफलता नहीं पा सकेगा।

नष्ट : आजकल विद्यार्थियों में अनुशासन हीनता ज्यादा दिखायी दे रही है। विषय–लालसा, नशीले पदार्थों का सेवन, बुरे गुणों का अनुकरण आदि के कारण छात्रों में अनुशासन हीनता दिखायी दे रही है।

सुझाव : छात्रों को इन से दूर रहना चाहिए। बचपन में ही उनके जीवन में अनुशासन का बीज बोना चाहिए। फलस्वरूप विद्यार्थी दशा में प्राप्त अनुशासन के गुण जीवन पर्यन्त रहते हैं।

उपसंहार : सचमुच, अनुशासन विद्यार्थी –जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। यह बिलकुल ठीक है। यह अक्षरशः सत्य है।

6. नौकरी के लिए आवेदन पत्र

(अध्यापक के रिक्त स्थान के लिए)

रामपल्ली,

ता :XXXXXX

प्रेषक :

नं :XXXXXXXX
हाई स्कूल मार्ग,
रामपल्ली,

सेवा में,

श्री अध्यक्ष महोदय,
जिला प्रजा.परिषद कार्यालय,
मेड़चल जिल्ला.

मान्यवर महोदय,

सादर प्रणाम।

मैं ने ता : XXXXXX के 'ईनाडु' में आपका विज्ञापन देखा। उस से मालूम हुआ कि आप के अधीन स्कूल में हिन्दी अध्यापक का स्थान रिक्त है। मैं उस पद के लिए अपना आवेदन पत्र भेज रहा हूँ।

मेरी योग्यताएँ इस प्रकार है –

1. मैं हिन्दी एम. ए. परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हूँ।
2. मैं ने दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा कि राष्ट्र भाषा प्रवीणा पास की।
3. मैं एक साल से स्थानीय पाठशाला में अस्थाई रूप से काम कर रहा हूँ।

अतः आपसे प्रार्थना है कि उक्त पद पर नियुक्त करें तो मैं अपनी कार्यकुशलता के द्वारा अपने अधिकारियों को संतुष्ट कर सकूँगा।

सधन्यवाद।

अपका विश्वसनीय,
नं : XXXXXXX

7. मेरा प्रिय त्योहार (दीपावली)

निबंध की रूप रेखा : 1.विषय निरूपन 2.विषय विश्लेषण : 1.उद्देश्य 2.कारण 3.मनाने का ढ़ंग 4.लाभ 5.नष्ट 6.उपसंहार

विषय निरूपण : भारत के प्रमुख त्योहारों में दीवाली एक है। यह त्योहार आश्वयुज मास की अमावास्या को मनाया जाता है। उसदिन लोग घरों में दीपों की पंक्तियाँ जलाकर अमावास्या की रात को पूर्णिमा से भी अधिक उजयारी बना देते हैं।

विषय विश्लेषण :

उद्देश्य : दीपावली का उत्सव मानव कल्याण का प्रतीक है। अमंगल और दारिद्रय का अंत कर उल्लासमय जीवन बिताने के उद्देश्य से लोग यह त्योहार मनाते हैं।

कारण : यह माना जाता है कि त्रेतायुग में राम, रावण पर विजय पाकर इसी दिन अयोध्या लौटे थे। द्वापर युग में कृष्ण ने सत्यभामा के साथ इसी दिन नरकासुर का वध किया था। उनके आगमन की खुशी में लोगों ने दीप जलाकर अपना हर्ष व्यक्त किया था। उस दिन की याद में यह त्योहार आज भी मनाया जा रहा है। यहीं नहीं कि धन, सम्पत्ति, एवं सौभाग्य की देवी लक्ष्मी के पूजन के रूप में दीवाली का विशेष महत्व है।

मनाने का ढ़ंग : यह त्योहार बड़े उत्साह से मनाया जाता है। अमीर और गरीब दीपावली के पन्द्रह दिन पहले से ही अपने - अपने घरों की सफाई करते हैं। दीपावली के दिन नये कपड़े पहनते हैं। तरह - तरह के पकवाना बनाते हैं। दीपावली के रात को दीपों से सजाते हैं। व्यापारी लोग अपनी दूकानों को सजा कर लक्ष्मी की पूजा करते हैं। बच्चे - बूढ़ें, अमीर - गरीब, स्त्री - पुरुष सब ने बड़े उत्साह से पटाखे जलाते हैं।

लाभ : दीपावली मनाने से वर्षा के कारण उत्पन्न दुष्परिणाम दूर हो जाते हैं। इस त्योहार के कारण घरों की सफ़ाई और सजावट होती है। इस त्योहार से भारतीय संस्कृति तथा परंपरा कायम रहती है।

नष्ट : दीपावली के त्योहार से खुशियों के साथ - साथ कुछ हानियाँ भी हैं। पटाके जलाते समय हाथ, पैर, शरीर तथा घर जलने की संभावना है। पटाखों के लिए पैसा ज्यादा खर्च करना पड़ता है।

उपसंहार : इस त्योहार के कारण कुछ भी हो इससे देश की संस्कृति, लोगों की सामाजिक, धार्मिक तथा राजनैतिक जीवन को उन्नत बनाना चाहिए।

8. यदि मैं प्रधानमंत्री होता तो....

निबंध की रूप रेखा : 1.प्रस्तावना 2. उद्धेश्य 3. विषय 4. उपसंहार।

प्रस्तावना : प्रधानमंत्री का पद एक साधारण पद नहीं है। यह देश का शासन चलाने का प्रधान और मुख्य पद है। लोकसभा में बहुमता प्राप्त पार्टी का नेता हमारे देश का प्रधानमंत्री बनता है।

उद्धेश्य : यदि मैं प्रधानमंत्री होता तो उस पद के द्वारा देश और समाज का काया पलट देना चाहूँगा। मेरे सामने कई सपने हैं। उनके लिए एक प्रणाली तैयार करके, उसके अनुसार काम करते हुए, समाज में उन्नति लाऊँगा।

विषय : आज हमारे देश में भाषाभेद, जाति भेद, प्रांत भेद आदि फैल रहे हैं। पहले इनको दूर करके सबके दिलों में '' भारत एक है '' – इस भावना को जगाने की कोशिश करूँगा। देश को आर्थिक और सांस्कृतिक रुप से आगे ले जाने की कोशिश करूँगा।

किसानों को साक्षर बनाऊँगा। उन्हें सस्ते दामों में बीज, उपकरण आदि पहुँचाऊँगा। सहकारी समितियाँ बनाकर, उनसे कम सूद में ऋण प्राप्त करने की व्यवस्था करूँगा। अनेक मिल, कारखानों का निर्माण करके, देश में बेरोज़गारी दूर करने का कोशिश करूँगा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्व विद्यालयों की संख्या बढ़ाकर, देश के सब लड़के-लड़कियों को साक्षर बनाऊँगा।

गाँवों को जोड़ने के लिए पक्की सडकें बनाऊँगा। गाँव की उन्नति के लिए आवश्यक योजनाएँ बनाकर, उनको अमल करूँगा। गाँवों की उन्नति में ही देश की उन्नति निर्भर है। नदियों का अनुसंधान करूँगा। आसपास के देशों से मित्रता भाव बढ़ाऊँगा।

उपसंहार : प्रधानमंत्री बनना सामान्य विषय नहीं है, अगर मैं प्रधानमंत्री बना तो ये सभी कार्य करूँगा।

9. राष्ट्रभाषा हिन्दी

निबंध की रूप रेखा : 1.प्रस्तावना 2. विषयविस्तार 3. गुण 4. उपसंहार।

प्रस्तावना : भारत एक विशाल देश है। इसमें अनेक राज्य है। प्रत्येक राज्य की अपनी प्रादेशिक भाषा होती है। राज्य के अंदर प्रादेशिक भाषा में काम चलता है। परंतु राज्यों के बीच व्यवहार के लिए एक संपर्क भाषा की आवश्यकता है। सारे देश के काम जिस भाषा में चलाये जाते हैं, उसे राष्ट्रभाषा कहते हैं।

विषयविस्तार : हमारे देश में अनेक प्रादेशिक भाषाएँ हैं। जैसे– हिन्दी, बंगाली, उडिया, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड आदि। इनमें अकेली हिन्दी राष्ट्रभाषा बनने योग्य है। उसे देश के अधिकांश लोग बोलते और समझते हैं। उसमें प्राचीन साहित्य है। तुलसी, सूरदास, जयशंकर प्रसाद जैसे श्रेष्ठ कवियों की रचनाएँ मिलती हैं। उसमें हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति झलकती है। यह संस्कृत गर्भित भाषा है। इसी कारण हमारे संविधान में हिन्दी राष्ट्रभाषा बनायी गयी। सरकारी काम-काज हिन्दी में हो रहे हैं। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है।

गुण : राष्ट्रभाषा के ये गुण होते हैं – 1. वह देश के अधिकांश लोगों से बोली और समझी जाती है। 2. उसमें प्राचीन साहित्य होता है। 3. उसमें देश की सभ्यता और संस्कृति झलकती है।

उपसंहार : भारतीय अखंडता और एकता के लिए हिन्दी का प्रचार और प्रसार अत्यंत अनिवार्य है। हर एक भारतीय को हिन्दी सीखने की अत्यंत आवश्यकता है। इसके द्वारा ही सभी प्रांतों में एकता बढ़ सकती है। और आपस में मित्रता भी बढ़ सकती है।

10. मित्र के नाम पत्र

हिन्दी सीखने की आवश्यकता समझाते हुए अपने मित्र के नाम एक पत्र लिखिए।

रामपल्ली,
12.10.2017.

प्रिय मित्र राजू,

तुम्हारा पत्र पाकर मैं बहुत खुश हुआ। मैं अगली फरवरी में हिन्दी विशारद परीक्षा देने की तैयारी कर रहा हूँ। हिन्दी भाषा सीखने में बहुत आसान है। यह भारत की राष्ट्रभाषा है। देश भर में असंख्या लोग यह भाषा समझते और बोलते हैं। इसलिए तुमसे मेरा अनुरोध है कि तुम भी हिन्दी सीख लो, क्योंकि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा और राजभाषा है। हिन्दी भाषा सीखने से भारत के सभी लोगों से अच्छी तरह बातचीत कर सकते हैं

तुम्हारा प्रिय मित्र,,
XXXXXXXXXXXXXXX,
दसवी कक्षा - ए,
जि. प्र. प. उ. पाठशाला,
रामपल्ली,

पता :
जि. कुमार
२-३-५/२७
रामपल्ली,
कीसरा (मं०),
मेड़चल जिल्ला.